

रांची(बेड़ो)में सड़क हादसा

चलते ट्रेलर में पीछे से घुसी कार, चालक की मौत, दूसरा गंभीर

झपकी आने से हादसे की आशंका, जांच में जूटी पुलिस

आट लेन पर हाइवा की चपेट में आने से युवक की मौत

मौत के बाद शव के ऊपर से गुजरते रहे वाहन

धनबाद: तेज रफ्तार और भारी वाहनों की आवाजाही एक बार फिर जानलेवा साबित हुई है। आठ लेन सड़क पर हाइवा की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद सड़क पर शव पड़ा रहा, लेकिन अंधेरा होने की वजह से कई वाहन चालकों को इसकी जानकारी नहीं हुई और वे शव के ऊपर से ही गुजरते रहे।

घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसा धनबाद के आठ लेन सड़क की है, जहां रात के अंधेरे में एक दर्दनाक हादसा हुआ।



स्थानाय लोगों के अनुसार, रात करीब साढ़े नौ बजे एक युवक सड़क से गुजर रहा था, इसी दौरान हाइवा ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद सड़क पर युवक का शव पड़ा रहा। लेकिन



अंधेरा होने और मौके पर पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण पीछे से आ रहे कई वाहन चालकों को

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे में

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि शामिल होइवा का पहचान के लिए आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा सकती है।

शिव को सड़क से हटाकर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए एनएनएमएमसीएच भेज दिया गया है। फिलहाल, मृतक की पहचान की कोशिश की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आठ लेन सड़क पर भारी वाहनों की आवाजाही लगातार रहती है। ऐसे में रात के समय पर्याप्त रोशनी और सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने से दुर्घटना के बाद स्थिति और गंभीर हो जाती है।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे में शामिल हाइवा की पहचान के लिए आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा सकती है।



धनबाद: झरिया के सुदामडीह थाना क्षेत्र के अमलाबाद स्थित दामोदर नदी में सुक्कारा को जितिया पर्व के स्नान के दौरान सोनाक्षी कुमारी (16 वर्षीय) तेज धार में बहकर डूब गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही सुदामडीह पुलिस सीलडकी की तलाश श

बताया जाता है कि सोनाक्षी कुमारी आरा से लोदना स्थित अपनी नानी के घर आई थीं। शुक्रवार को वह परिवार के अन्य सदस्यों के साथ जितिया पर्व का स्नान करने अमलाबाद स्थित दामोदर नदी पहुंची थीं। जितिया के लोग नदी में स्नान कर रहे थे। इसी दौरान सोनाक्षी अचानक गहरे पानी और तेज बहाव की बह गईं।

सोनाक्षी को डूबता देख उसके मामा अमन उसे बचाने के लिए नदी में उतर गए। इस दौरान तेज बहाव के कारण दोनों डूबने लगे। हालाँकि स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सोनाक्षी के मामा को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। लेकिन सोनाक्षी तेज धार में बहकर लापता हो गई।

घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने सुदामडीह थाना को दी। जानकारी मिलते ही सुदामडीह पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और लड़की की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने घटना की जानकारी वरीय अधिकारियों को भी दे दी है। फिलहाल नदी में लड़की की खोजबीन जारी है।

घटनास्थल पर पहुंचे सांसद प्रतिनिधि: मौके पर पहुंचे सांसद प्रतिनिधि गम्फार अंगारी ने कहा कि दामोदर नदी में हर वर्ष स्नान के दौरान इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं। इसके बावजूद खतरनाक स्थानों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जाते। उन्होंने कहा कि 'डेंजर जोन' में बैरिकेडिंग, सुरक्षा व्यवस्था और प्रशिक्षित गोताखोरों की उपलब्धता समिश्रित की जानी चाहिए।

महात्मा गांधी की 157वीं जयंती

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री समेत दूसरे नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली: पूरा देश आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157^{वीं} और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 122^{वीं} जयंती मना रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजघाट पर जाकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान देशभर में नेताओं और नागरिकों ने गांधी जयंती मनाई और शांति, अहिंसा और स्वच्छता के उनके संदेश को याद किया। इसके साथ-साथ पीएम मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को उनकी 122^{वीं} जयंती पर श्रद्धांजलि दी।



उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन,
लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला,
लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल
गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष
मल्लिकार्जुन खरगे, केन्द्रीय मंत्री

मनोहर लाल, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता समेत दूसरे नेताओं ने राष्ट्रपिता को श्रद्धासुमन अर्पित किए और इस मौके पर राजघाट पर आयोजित सर्व धर्म प्रार्थना

शुभा में शामिल हुए। गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने कहा कि मौजूदा वैश्विक संघर्षों के बीच शांति और अहिंसा का उनका संदेश बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ऐसे हालात में महात्मा गांधी का शांति और अहिंसा का संदेश और भी ज्यादा प्रासंगिक हो जाता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अहिंसा के संदेश को फैलाने के लिए संयुक्त राष्ट्र उनकी जयंती को 'अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस' के रूप में मनाता है।

जयंती दिवस पर राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

मेट्रो रेज



रांची: राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती दिवस के पावन अवसर पर आज राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार एवं मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने रांची के मोहाबादी स्थित बापू वाटिका पहुंचकर राष्ट्रपिता की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस गरिमामयी मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का ये शुभ अवसर भारत के इतिहास का एक ऐसा दिन है कि जबतक ये देश रहेगा इस दिन को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज देश के दो महान विभूतियों का जयंती दिवस है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हम सभी लोग यहां एकत्रित होकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का दुनिया में एक अलग इतिहास रहा है, जहां ऐसे महान विभूतियों ने जन्म लेकर इस देश का मार्गदर्शन किया। आज उनके आदर्शों को कंधे में लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। हमें गर्व है कि ऐसे महान विभूति हमारे बीच रहे और हमेशा ये हमारे दिल में रहेगी। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अपने संदेश में कहा कि बापू के विचार और उनका जीवन दर्शन युगों-युगों तक मानवता का मार्गदर्शन करता रहेगा। राज्य सरकार बापू के सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के कल्याण और सर्वांगीण विकास के लिए पूरी निष्ठा के साथ सकलियत है। इस अवसर पर सांसद संजय सेठ, सांसद राज्य सभा महुआ तन अन्व गणमान्य अतिथिगण, प्रशासनिक अधिकारियों ने भी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को नमन किया। संपूर्ण राणिकी के गाँवों से गुंजायमान रहा।

माजी, विधायक कल्पना सोरेन सहित अन्य गणमान्य अतिथिगण, प्रशासनिक अधिकारियों ने भी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को नमन किया। संपूर्ण परिसर बापू के प्रिय भजनों और देशभक्ति के गीतों से गुंजायमान रहा।

अवैध निर्माण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

अतिक्रमण हटाने के लिए सरकार को 8 हफ्ते की अंतिम मोहलत, अवमानना की चेतावनी

पटना: पटना में गंगा नदी के डूब क्षेत्र (फ्लाइन्ग लेन) में बेवड़क खड़े किए गए अवैध निर्माणाधीन और अतिक्रमण पर शीघ्र कोर्ट ने नेमांक कड़ा रुख अपनाया है। शीर्ष अदालत ने बिहार सरकार को नौजरा घाट से लेकर नूपुर घाट के बीच गंगा के बाढ़ क्षेत्र में बने सभी अवैध ढांचों को पूरी तरह ध्वस्त कर अतिक्रमण हटाने के लिए आदेश सजाही की अंतिम मोहलत दी है। जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस के वी विजयनगर की पीठ ने सप्ताह लहजे में स्पष्ट किया कि यदि इस तथ्य समर्थन को भीतर आदेश का शास-प्रतिशत पालन नहीं हुआ, तो राज्य के मुख्य सचिव समेत शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से अदालत में तलब किया जाएगा और उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाएगी। 21 जुलाई को दी गई 6 हफ्ते की मियाद

खत, आंशिक अनुपालन पर भड़का कोर्ट: सुनवाई के दौरान पीठ ने तल्लू टिप्पणी करते हुए याद दिलाया कि शीर्ष अदालत ने इससे पहले 21 जुलाई को भी राज्य सरकार को छह सप्ताह का स्पष्ट समय दिया था। प्रशासन को नौज घाट से संपूर्ण घाट तक को के संवेदनशील क्षेत्र क्षेत्र से अवैध निर्माणों को हटकर रिपोर्ट सौंपनी थी। लेकिन निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बावजूद जमीन पर ठोस और पूर्ण कार्रवाई नजर नहीं आई। 28 सितंबर को सुनवाई के दौरान बिहार के महाधिवक्ता एसटी संजय ने पीठ को बताया कि अदालत के निर्देशों का आंशिक रूप से पालन किया गया है। उन्होंने दलील दी कि नेपाल में आई भारी प्राकृतिक आपदा और अत्यधिक बारिश के कारण गंगा नदी का जलस्तर अचानक बहुत बढ़ गया था।



संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड






हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

गांधी जयंती के अवसर पर
राष्ट्रपिता

महात्मा गांधी




'बापू' को शत-शत नमन

← संदेश →

2 अक्टूबर अर्थात गांधी जयंती, संयुक्त राष्ट्र संघ के घोषणा में बापू को समर्पित अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस। महात्मा गांधी जी का नाम आते ही, हम सबके मन में एक ऐसे व्यक्तित्व की छवि उभरती है, जिन्हें सत्य व अहिंसा में ही सर्वस्व दिखता था। वे सत्य में ही ईश्वर को देखा करते थे तथा उनके अहिंसा के सिद्धांत, प्रेम और उदारता को परिलक्षित करते थे।

आइए, बापू के जयंती दिवस पर हम भी उनके सत्य व अहिंसा के बताये पथ पर चलकर स्वयं को एक बेहतर दिशा में ले जाने का संकल्प लें।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड

PR-391002(IPRD)26-27

न्यूज़ IN ब्रीफ

क्लोरोफिल प्ले स्कूल में जय जवान, जय किसान के उद्घोष से गुंजा परिसर

झुमरी तिलैया : स्थानीय महाराणा प्रताप चौक झुमरी तिलैया स्थित क्लोरोफिल स्कूल में नन्हे बच्चे बहुत सुंदर दृश्य उपस्थित कर रहे थे। किसी के हाथ में लाठी थी तो कोई शास्त्रीजी के सादगी भरे अंदाज में नजर आ रहा था। छोटे चेहरों पर गांधी और शास्त्री बनने का उत्साह और मन में देशभक्ति का भाव झलक रहा था। नन्हे बच्चों ने जब एक साथ जय जवान, जय किसान का उद्घोष किया तो पूरा विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में रंग गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के शिक्षकों और बच्चों ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर के किया। गांधी और शास्त्री के रूप में सजे बच्चे बेहद आकर्षक लग रहे थे। अपने पसंदीदा महापुरुषों के रूप में तैयार होकर आए बच्चों में गजब का उत्साह था और वे पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी भूमिका निभाते नजर आए।विद्यालय के निदेशक अजय अग्रवाल ने न कहा कि देश के महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में बच्चों को छोटी उम्र से ही जानकारी देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन से हम बच्चों में शिक्षा के साथ संस्कार, देशप्रेम और जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने कामना की कि मां भारती के लाल, सारी संतानें बहादुर बनें और देश के प्रति अपने कर्तव्यों को समझें। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने गांधी और शास्त्री के जीवन से जुड़ी कई बातें जानीं। मौके पर प्राचार्य कंचन अग्रवाल,सीमा जैन, सुलगना राय, अलका वर्मा, आँचल लड्डू,हुमा अहमद, संपूर्ण दास, अनुप्रिया कुमारी, युक्ता अग्रवाल, पंकज सहाय सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं और बच्चे मौजूद थे।



गांधी जयंती व लाल बहादुर शास्त्री जयंती को किया नमन

कोडरमा : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर आज कोडरमा जिले में दोनों महान विभूतियों को श्रद्धा एवं सम्मान के साथ नमन किया गया।

इस अवसर पर कोडरमा बाजार स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष, उप विकास आयुक्त रवि जैन, अपर समाहर्ता संजय पीएम कुजुर, अनुमंडल पदाधिकारी निर्मल सोरेन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी राम रतन वर्णवाल, जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुजुर, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कनक कुमारी तिरकी सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

इसके उपरांत समाहरणालय परिसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष, उप विकास आयुक्त रवि जैन, अपर समाहर्ता संजय पीएम कुजुर, अनुमंडल पदाधिकारी निर्मल सोरेन सहित अन्य पदाधिकारियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

गांधी जयंती के अवसर पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, सादगी और मानव सेवा के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारे की भावना को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लिया।

गांधी जयंती : हजारीबाग डीसी हेमंत सती ने बापू की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

हजारीबाग : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर हजारीबाग समाहरणालय भवन परिसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त हेमंत सती ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और सामाजिक समरसता के संदेश को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गांधी जी के विचार आज भी समाज और देश के लिए प्रासंगिक हैं। इस अवसर पर समाहरणालय के अधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे। सभी ने महात्मा गांधी के बताए मार्ग पर चलने और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

सीसीएल में अधिकारियों का तबादला, पांच महाप्रबंधकों को मुख्यालय में मिली नई जिम्मेदारी

रांची: सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) ने खनन संवर्ग के छह अधिकारियों का स्थानांतरण किया है। इस संबंध में सीसीएल के प्रबंधक अंकुर गौतम ने 30 सितंबर 2026 को कार्यालय आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार सभी अधिकारियों को उनके वर्तमान पदस्थापन स्थल से तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित किया गया है।

मुख्यालय के विभागों में पांच महाप्रबंधकों का स्थानांतरण आदेश के अनुसार धनंजय कुमार सिंह, महाप्रबंधक (माइनिंग) को क्वालिटी मैनेजमेंट विभाग से ऑपरेशन विभाग, सीसीएल मुख्यालय भेजा गया है। वहीं सुधीर कुमार सिंह, महाप्रबंधक (माइनिंग) को ऑपरेशन विभाग से क्वालिटी मैनेजमेंट विभाग में पदस्थापित किया गया है।

राजीव शरण, महाप्रबंधक (माइनिंग) को सीएमसी विभाग से एमओ एंड एमसी विभाग, सीसीएल मुख्यालय भेजा गया है। दीनानाथ सिंह, महाप्रबंधक (माइनिंग) को ऑपरेशन विभाग से जियोलाजी विभाग, सीसीएल मुख्यालय स्थानांतरित किया गया है। वहीं आनंद प्रकाश, महाप्रबंधक (माइनिंग) को एमओ एंड एमसी विभाग से पीएंडपी विभाग, सीसीएल मुख्यालय भेजा गया है। इसके अलावा दिलीप कुमार, मुख्य प्रबंधक (माइनिंग), स्टॉफ ऑफिसर (एलएंडआर), अरगडा एरिया को स्थानांतरित कर पीओ, चुरी यूजी, एनके एरिया में पदस्थापित किया गया है। 15 दिनों के भीतर गोल सेटिंग भरने का निर्देश: कार्यालय आदेश में कहा गया है कि सभी अधिकारी वर्तमान पदस्थापन स्थल से विरमित होने के बाद संबंधित निदेशक, क्षेत्रीय महाप्रबंधक या विभागाध्यक्ष को रिपोर्ट करेंगे। स्थानांतरित क्षेत्र या मुख्यालय में कार्यभार ग्रहण करने के बाद 15 दिनों के भीतर संबंधित अधिकारी को प्राइड या हार्ड कॉपी में गोल सेटिंग भरनी होगी।

झारखंड

चांडिल डैम में बनेगा देश का दूसरा सबसे बड़ा सोलर प्लांट

600 मेगावाट बिजली उत्पादन, 3500 करोड़ का निवेश

रांची : सरायकेला-खरसावां जिले में स्थित चांडिल डैम में 600 मेगावाट क्षमता का देश का दूसरा सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट आकार लेने जा रहा है। यह संयंत्र सीधे बिजली ग्रिड से जुड़ेगा, जिससे पूरे झारखंड में सौर ऊर्जा उत्पादन की बड़ी मजबूती मिलेगी। केंद्र सरकार ने वर्ष 2026 में इस विशाल परियोजना को अपनी पीएम सूर्य सरोवर योजना के तहत शामिल किया है।

झारखंड नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (जरेडा) ने इस दिशा में जलाशय का बाथिमेट्री सर्वे पूरा कर लिया है। बाथिमेट्री



सर्वे के जरिए पानी के भीतर की परिस्थितियों, जलाशय की गहराई और उसके तल की बनावट का सही आकलन किया गया है। यह जानकारी फ्लोटिंग प्लेटफॉर्म के डिजाइन, पैमलों की स्थापना और उनकी सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी। मध्य प्रदेश के ऑंकारेश्वर के बाद

झारखंड देश का दूसरा ऐसा राज्य बनने जा रहा है, जहां 600 मेगावाट क्षमता का इतना विशाल तैरता हुआ सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित होगा। परियोजना की लागत और वित्तीय मदद: चांडिल डैम में तैयार होने वाले इस फ्लोटिंग सोलर प्लांट के निर्माण में करीब 3,500 करोड़

रुपये की लागत आएगी। जरेडा इस पूरी परियोजना को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड के तहत विकसित कर रहा है। इसमें निजी निवेशक अपनी राशि का निवेश करके प्लांट का निर्माण और संचालन करेंगे। केंद्र सरकार की पीएम सूर्य सरोवर योजना के तहत इस संयंत्र के लिए प्रति

विनोबा भावे विश्वविद्यालय में गैर-शैक्षणिक कर्मियों के 312 पद खाली



1998 के बाद से बहाली नहीं, पदोन्नति भी अटकी

रांची : विनोबा भावे विश्वविद्यालय और इसके अंगीभूत महाविद्यालयों में केवल शिक्षकों की कमी ही चुनौती नहीं है, बल्कि गैर-शैक्षणिक कर्मियों की भारी कमी ने भी प्रशासनिक व्यवस्था पर दबाव बढ़ा दिया है। विश्वविद्यालय में गैर-शैक्षणिक कर्मियों की अंतिम नियमित बहाली करीब तीन दशक पहले वर्ष 1998 में हुई थी। इसके बाद से अब तक कोई नियमित नियुक्ति नहीं हो सकी है। विश्वविद्यालय और इसके अंगीभूत महाविद्यालयों में गैर-शैक्षणिक

कर्मियों के कुल 378 स्वीकृत पद हैं। इसके विरुद्ध महज 66 कर्मी ही कार्यरत हैं, जबकि 312 पद रिक्त पड़े हैं। राज्य सरकार की ओर से रोस्टर क्लियर नहीं होने को इस दिशा में सबसे बड़ा पेंच माना जा रहा है। स्वीकृत पदों की तुलना में बड़ी संख्या में पद खाली होने से उपलब्ध कर्मियों पर कार्यालयी और प्रशासनिक कार्यों का अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है। दैनिक वेतनभोगियों के भरोसे व्यवस्था: नियमित कर्मचारियों की कमी के बीच विश्वविद्यालय प्रशासन को वैकल्पिक व्यवस्था का सहारा लेना पड़ रहा है। डेली वेजेज पर कार्यरत कंथूर आॅपरेटर्स समेत अन्य कर्मियों से विभिन्न कार्यालयी कार्य लिए जा रहे हैं। इसके अलावा समय-समय

पर अनुकंपा के आधार पर भी नियुक्तियां हुई हैं। इससे स्पष्ट है कि नियमित मानव संसाधन की कमी के बावजूद वैकल्पिक व्यवस्था के सहारे विश्वविद्यालय के लिपिकीय एवं प्रशासनिक कार्य संचालित किए जा रहे हैं। तीन दशक से पदोन्नति का इंतजार: गैर-शैक्षणिक कर्मियों की समस्या सिर्फ रिक्त पदों तक सीमित नहीं है। वर्ष 1998 में नियुक्त कर्मियों को अब तक नियमित पदोन्नति का लाभ नहीं मिल सका है। नियमानुसार समय-समय पर पदोन्नति की व्यवस्था होने के बावजूद करीब तीन दशक से इस दिशा में स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। इससे कर्मियों के बीच निराशा का माहौल बना हुआ है। वर्ष 2019 में पदोन्नति की प्रक्रिया आगे बढ़ने से कर्मियों में उम्मीद जगी थी और इसके तहत कर्मियों ने लिखित परीक्षा दी थी। लेकिन इसके बाद कोविड-19 महामारी का दौर शुरू हो गया और प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। कोविड काल समाप्त हुए भी कई वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन पदोन्नति का मामला अब भी लंबित है।

डीसी ने झाड़ू लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश

सामूहिक श्रमदान में शामिल होकर लोगों से आसपास का वातावरण स्वच्छ रखने और दूसरों को प्रेरित करने की अपील

लातेहार : स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के तहत गुरुवार को सामूहिक श्रमदानझएक दिन, एक घंटा, एक साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त संदीप कुमार ने स्वयं झाड़ू लगाकर साफ-सफाई की और सादगी की मिसाल पेश करते हुए लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। समाहरणालय परिसर से लेकर स्टेडियम तक विभिन्न स्थानों पर आयोजित स्वच्छता अभियान में उपायुक्त के साथ पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने भी श्रमदान किया। डीसी ने स्वयं सफाई अभियान में हिस्सा लेकर यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक



नागरिक की जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर उपायुक्त संदीप कुमार ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि अपने आसपास के स्थानों को साफ-सुथरा रखें और दूसरों की भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को केवल एक दिन के अभियान तक सीमित न रखकर इसे अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा

बनाना चाहिए।

उन्होंने लोगों से सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फेंकने, स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयास और जनभागीदारी से ही स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुंदर लातेहार का निर्माण संभव है।

कस्तूरबा विद्यालय में छात्राओं ने लगाई आधुनिक युवा ग्राम सभा चौपाल

संवाददाता

चंदवा : पीएम श्री कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय चंदवा में गुरुवार को आधुनिक युवा ग्राम सभा का आयोजन हुआ। छात्राओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाली समस्याओं और उनके समाधान की प्रक्रिया को ग्राम सभा के माध्यम से जीवंत कर दिखाया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी, लातेहार मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। छात्राओं ने ग्राम सभा की पूरी कार्यप्रणाली को संवाद और अलग-अलग भूमिकाओं के जरिए प्रस्तुत किया। शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल, सड़क और रोजगार जैसी ग्रामीण समस्याओं को मंच पर प्रमुखता से उठाया गया। छात्राओं की प्रस्तुति ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का ध्यान खींचा। कार्यक्रम की पूरी तैयारी फरजाना द्वारा



तैयार की गई स्क्रिप्ट के आधार पर की गई थी।

छात्राओं ने स्क्रिप्ट के अनुरूप ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों

मेगावाट एक करोड़ रुपये की सब्सिडी का प्रावधान रखा गया है। इस व्यवस्था के तहत परियोजना को कुल 600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता मिल सकेगी। इस सब्सिडी को प्राप्त करने के लिए केंद्र सरकार ने शर्त रखी है कि सौर संयंत्र के साथ बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम भी लगाना अनिवार्य होगा। सामान्य सौर ऊर्जा संयंत्रों के लिए विशाल भूखंड की जरूरत होती है, लेकिन फ्लोटिंग सोलर प्लांट में जलाशय की सतह का उपयोग होने से भूमि पर दबाव कम होगा।

बैटरी स्टोरेज और भूमि आवंटन: पीएम सूर्य सरोवर योजना की शर्त के अनुसार जरेडा ने बैटरी स्टोरेज सिस्टम के साथ ही इस संयंत्र की योजना बनाई है। इस अत्याधुनिक सिस्टम के माध्यम से दिन में उत्पादित सौर ऊर्जा को संचित किया जाएगा, जिससे सूर्यास्त के बाद भी निर्बाध

बिजली आपूर्ति संभव हो सकेगी। झारखंड में यह पहली बार होगा, जब किसी सोलर पावर प्लांट के साथ इतना बड़ा बैटरी स्टोरेज सिस्टम बनाया जाएगा। ग्रिड और बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के निर्माण के लिए जरेडा को 17.96 एकड़ जमीन की आवश्यकता है। सरायकेला-खरसावां जिला प्रशासन ने इस जमीन को चिह्नित कर लिया है और अब केवल जल संसाधन विभाग से औपचारिक मंजूरी मिलने का इंतजार है।

राज्य में प्रभाव और अन्य योजनाएं: वर्ष 2018 में चांडिल डैम में 100 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर प्लांट लगाने की योजना बनी थी। बाद में वर्ष 2023 में इसकी क्षमता बढ़ाकर 600 मेगावाट कर दी गई थी। अब पीएम सूर्य सरोवर योजना में शामिल होने के बाद इस दिशा में तेजी से कार्रवाई शुरू हो गई है।

गांधी जयंती पर झारखंड टीचर ट्रेनिंग कॉलेज में गुंजा राष्ट्रसेवा का संदेश



संवाददाता

कोडरमा : झारखंड टीचर ट्रेनिंग कॉलेज में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर की गई। कॉलेज सचिव डॉ. डीएन मिश्रा ने गांधीजी के विचारों को नमन करते हुए उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रोफेसर सुशीला देवी एवं आईक्यूएसी समन्वयक प्रोफेसर सुरभि कुमारी ने कहा कि

महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और राष्ट्रसेवा के विचार आज भी समाज और देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। गांधीजी के आदर्शों से प्रेरणा लेकर युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनते हुए राष्ट्र को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। इस अवसर पर कॉलेज के शिक्षकों एवं कर्मियों ने गांधीजी के जीवन, संघर्ष और देश की आजादी में उनके योगदान को याद किया। प्रशिक्षणरत विद्यार्थियों को भी गांधीजी के सिद्धांतों को आत्मसात कर समाज के प्रति सकारात्मक

जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में डॉ. अजय कुमार यादव, प्राचार्य प्रो. सुशीला देवी, आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. सुरभि कुमारी, एनएसएस समन्वयक डॉ. एसबी मिश्रा, डॉ. सत्य प्रकाश तिवारी, प्रो. अश्वनी मिश्रा, प्रो. कविता कुमारी, प्रो. सविता देवी, विक्रम कुमार सिन्हा, राजेश कुमार, लाइब्रेरियन माला सिन्हा, रीना कुमारी, दुर्गा पंडित, प्रो. सूरज कुमार, भारती देवी, शंजान खान्ता और दिलीप बिंद सहित सत्र 2025. 27 के विद्यार्थी मौजूद रहे।

एक माह से बंद घर में चोरी, 10 बोरा धान और 3 बोरा चावल ले गए चोर

गुमला : मुरकुंडा के घंटी टोली में करीब एक माह से बंद पड़े घर को चोरों ने निशाना बनाया। चोर घर से 10 बोरा धान, तीन बोरा चावल समेत अन्य सामान चोरी कर ले गये। गुरुवार को घर मालिक मनोहर प्रसाद के परिवार के साथ गांव पहुंचने पर घटना का खुलासा हुआ। घर से सामान गायब मिलने के बाद ग्रामीणों ने संदेह के आधार पर दो युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। दो युवकों को पकड़कर पुलिस को सौंपा: पकड़े गये युवकों की पहचान चंदन साहू, पिता कुंज बिहारी साहू और मनीष नायक के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में चोरी के सामान को मुरकुंडा और अंबवा की दो दुकानों में बेचने की बात सामने आयी है। पुलिस संबंधित दुकानदारों से पूछताछ कर चोरी का सामान बरामद करने के प्रयास में जुटी है। साथ ही घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। बताया गया कि चंदन साहू पूर्व में भी चोरी के आरोप में जेल जा चुका है। विश्वकर्मा पूजा के दिन हुई चोरी का भी उठा मामला: चंदन के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने विश्वकर्मा पूजा के दिन जीतू खड़िया के घर हुई चोरी का मामला भी उठाया। ग्रामीणों के अनुसार, घर से 26 हजार रुपये नकद और चांदी की दो चैन चोरी हुई थी। इस मामले में चंदन पर भी संदेह जताया जा रहा है। हालांकि, पुलिस जांच पूरी होने तक इस आरोप की पुष्टि नहीं हुई है। जीतू खड़िया ने सदर थाना में आवेदन देकर मामले की जांच और कार्रवाई की मांग करने की बात कही है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

की भूमिका निभाते हुए ग्राम सभा की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। मौके पर शिक्षा विभाग के कई पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। कई प्रबुद्ध पत्रकार ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। इसके अलावा पीरामल फाउंडेशन के जिला प्रोग्राम लीडर, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी सुबोध कुमार चंदेल, प्रखंड साधन सेवी प्रतीक कुमार सिन्हा, विद्यालय की वार्डन समेत सभी शिक्षिकाएं उपस्थित थीं।

अतिथियों ने छात्राओं की प्रस्तुति की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन से बच्चों में नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। साथ ही छात्राओं को अपने गांव की समस्याओं को समझने और समाधान की प्रक्रिया से जुड़ने का अवसर मिलता है।



रांची पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो संयुक्त टीम की कार्रवाई

97 किग्रा अवैध गांजा के साथ तीन अंतरराज्यीय गांजा तस्कर गिरफ्तार

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ रांची पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो संयुक्त टीम ने कार्रवाई की है। रांची पुलिस को जानकारी मिली थी कि कार से गांजा की तस्करी की जा रही है, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है। पुलिस की टीम ने 97 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने मौके से तीन अंतरराज्यीय गांजा तस्करी को गिरफ्तार किया है, जो इस प्रतिबंधित खेप को ओडिशा से बिहार और झारखंड के अन्य



हिस्सों में खपाने के लिए ले जा रहे थे। गिरफ्तार तस्कर का नाम शुभम, सूरज और एक अन्य है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए

तीनों आरोपी मूल रूप से हजारीबाग जिले के रहने वाले हैं और लंबे समय से इस अवैध कारोबार में सल्लिप्त थे। पुलिस के

वरीय अधिकारियों को सूचना मिली थी कि ओडिशा से एक लम्बरी कार के जरिए भारी मात्रा में गांजे की खेप रांची के रास्ते ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही रांची पुलिस और एनसीबी ने मिलकर नगड़ी इलाके में विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान संदिग्ध लम्बरी कार को रूकने का इशारा किया गया। पुलिस को देखकर कार सवारों ने भागने की कोशिश की, लेकिन मुस्तैद जवानों ने घेराबंदी कर गाड़ी को दबोक लिया। जब पुलिस ने कार की गहन तलाशी

ली, तो उसके भीतर गुप्त केबिन और डिवकी में छिपाकर रखे गए गांजे के कई पैकेट बरामद हुए। तौल करने पर कुल वजन 97 किलोग्राम पाया गया, जिसकी बाजार में कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। पुलिस ने गांजे के साथ तस्करी में इस्तेमाल की जा रही लम्बरी कार को भी जब्त कर लिया है। गिरफ्तार तस्करों से यह जानने के लिए कड़ाई से पूछताछ की जा रही है कि ओडिशा में उन्हें यह खेप किसने सौंपी थी और रांची तथा हजारीबाग में इसे किसे डिलीवर किया जाना था।



संवाददाता

पलामू: गांधी जयंती के मौके पर पलामू में नदियों को साफ और स्वच्छ रखने के लिए एक अभियान शुरू किया गया। पलामू के डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने इस पहल की अगुवाई की। अभियान के तहत, समाहरणालय से कोयल और अमानत नदियों के संगम तक एक मैथथन दौड़ आयोजित की गई। इस दौड़ में स्कूली बच्चों के साथ-साथ जिला प्रशासन की पूरी टीम ने हिस्सा लिया।

पलामू के डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने लगभग 9 किलोमीटर की दौड़ 48 मिनट में पूरी की, जबकि हेमंत नाम के एक युवक ने इस 32 मिनट में पूरा किया। कार्यक्रम के दौरान, हिस्सा लेने वाले बच्चों और प्रशासनिक अधिकारियों ने अमानत नदी के किनारे पौधे लगाए और नदी के किनारे वाले इलाके में सफाई अभियान चलाया।

डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि जिला

प्रशासन महात्मा गांधी के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में, प्रशासन सफाई और स्वच्छता पर केंद्रित अभियान किया कि अभी पूरी तरह से इसे लागू नहीं किया जा सका है। फिर भी इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। प्रशासन सक्रिय रूप से प्रयास कर रहा है और जनता से नदियों को साफ रखने में मदद करने की अपील कर रहा है।

उपायुक्त ने बताया कि सुप्रोम कोर्ट के निर्देश के अनुसार

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स 2024 लागू हैं। जिला प्रशासन इसे लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्वीकार किया कि अभी पूरी तरह से इसे लागू नहीं किया जा सका है। फिर भी इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। प्रशासन सक्रिय रूप से प्रयास कर रहा है और जनता से नदियों को साफ रखने में मदद करने की अपील कर रहा है।

एकता कमेटी ने महात्मा गांधी और शास्त्री को किया याद

रांची: आज शुक्रवार को सामाजिक संगठन भारतीय एकता कमेटी के मुख्य कार्यालय करबला टैंक रोड रांची में राष्ट्रीय पिता महात्मा गांधी (बापू) और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया । भारतीय एकता कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस शुभ अवसर पर गुलाम मुस्तफा ने कहा कि बापू का सत्याग्रह आंदोलन और नमक आंदोलन, अंग्रेजों भारत छोड़ो का नारा और लाल बहादुर शास्त्री का जय जवान जय किसान का नारा और सादगी भरी जिनगी



OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER IRRIGATION MECHANICAL DIVISION, RANCHI (Barrack No-03, Nepal House) Email id- imdranchi@gmail.com

e-Procurement Notice e-Tender Reference No. WRD/IMD/RANCHI/ 09/2026-27 Dated:- 30.09.2026

1	Name of Work	Renovation and Repairing of Service & Emergency gate of Right & Left outlet and their rope drum hoisting arrangement system, hoist bridge, wire rope hoisting arrangement of C/R gate and H/R gate, painting etc. with maintenance five (5) years of UPPERSIAHANK RESERVOIR SCHEME".
2	Estimated Cost	Rs. 66,08,737.00 (Rupees Sixty Six Lacs Eight Thousand Seven Hundred Thirty Seven) Only.
3	Time of Completion	07 (Seven) Months.
4	Date of Publication of E-Tender on website	Date : 05-10-2026 (Time 03:00 PM)
5	Last date/Time for submission of E-Tender BID's	Date : 26-10-2026 (Time 05:00 PM)
6	Last date for online submission of E-Tender fee and EMD	Date : 26-10-2026 (Time Upto 05:00 PM)
7	Date of Opening Tender	Date : 28-10-2026 (Time 03:30 PM)
8	Name & Address of office Inviting tender	Er. Sanjay Kumar Toppo Executive Engineer, Irrigation Mechanical Division Ranchi
a	Contact no. of e-Procurement officer	+91 9199101446
b	Helpline number of e-procurement cell	0651-2912296

Notes: (1) Only e-Tenders will be accepted.
(2) Published Estimated Cost may be Increase or Decrease.
Further Details can be seen on website <http://jharkhandtenders.gov.in>

Executive Engineer,
Irrigation Mechanical Division,
Ranchi

PR 390941 (Irrigation)26-27*D

कार्यालय, विद्युत कार्यपालक अभियंता विद्युत कार्यप्रमंडल, इन्जीनियर्स हॉस्टल धुर्वा, राँची

अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेंट सूचना						दिनांक-10 / 01 / 2026
ई-निविदा प्रसंग सं0- Energy/EWD/Ranchi/39/2026-27						
1.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रुपये में)	परिमाण विषय का मूल्य	अंशदान की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि	
I	सूचना मचन, कोक रोड, राँची में अधिष्ठापित 2 अर्द्ध लिफ्ट (Make- KONE, Machin-40185442 and 40203433) के वार्षिक समायोजन का कार्य।	17,90,979=00	5,000=00	36,000=00	तीन वर्ष	
2.	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	12.10.2026				
3.	निविदा जमा करने की तिथि	13.10.2026 के 10.30 बजे पूर्वाह्न से 21.10.2026 के 12.00 बजे अपराह्न तक				
4.	निविदा खोलने की तिथि	22.10.2026 को 12.00 बजे अपराह्न में				
5.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, राँची।				
6.	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, राँची।				
7.	ई प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया का फोन नं० / ईमेल	0651-2490069 / electrical.executiveengineerewd@gmail.com				
Note :- Tender Fee and Earnest Money Deposit (EMD) are to be paid through online mode only as per instruction of IT Dept. Govt. of Jharkhand Letter no.-120 Dated-03-10-2023.						
निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाइट http://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।						
विद्युत कार्यपालक अभियंता विद्युत कार्य प्रमण्डल, राँची						
PR 390972 Energy(26-27)#D						



मेट्रो रेज

रांची: श्री स्वर्णकार दुर्गा पूजा

समिति द्वारा इस वर्ष दुर्गा पूजा को भव्य एवं दिव्य स्वरूप में आयोजित किया जा रहा है।

अनगड़ा(रांची): महात्मा गांधी ने कहा था, प्रत्येक व्यक्ति को अपना सफाईकर्म स्वयं होना चाहिए। इसी विचार को जन-जन तक पहुंचाने और स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने के उद्देश्य से गेतलसूद में गांधी जयंती के अवसर पर शुक्रवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान लोगों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया और गेतलसूद के मुख्य मार्ग और आसपास के इलाकों को साफ किया। यह अभियान प्रधानमंत्री के जन्मदिवस से चलाये जा रहे सेवा सत्कल्प अभियान के तहत



आयोजित किया गया।

स्वच्छता अभियान में शामिल हुए जैलेंद्र कुमार: कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश पंचायती राज संयोजक जैलेंद्र कुमार ने स्वच्छता अभियान में सहभागिता की। उन्होंने कहा कि

स्वच्छता बेहतर समाज की नींव है। उन्होंने लोगों से अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास से बेहतर समाज और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दिया जा सकता है। अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति: स्वच्छता अभियान के दौरान पूर्व मुखिया गौरीशंकर मुंडा, संजय नायक, शंकर बैठा सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

सोमनाथ मंदिर की तर्ज पर चुटिया में बन रहा दुर्गा पूजा पंडाल

समिति द्वारा सोमनाथ मंदिर की तर्ज पर 70 फीट ऊंचा व 45 फीट चौड़ा भव्य पंडाल निर्मित किया गया है। इसके साथ पांच तोरण द्वार बनाये गये हैं। पंडाल निर्माण कोलकाता के प्रसिद्ध कारीगरों द्वारा किया गया है, जो अपनी कलात्मक डिजाइन एवं बारीक कारीगरी के लिए प्रसिद्ध हैं।

मां दुर्गा की 11 फीट ऊंची प्रतिमा विशेष मूर्तिकार राम पाल द्वारा निर्मित की गई है। सम्पूर्ण पंडाल एवं मूर्ति निर्माण में करोड़ों रुपये की लागत आई है धन संग्रह सिर्फ पदाधिकारी और स्वर्णकार दुकानों के सहयोग से किया जा रहा है

विद्युत साज-सज्जा कोलकाता के कारीगरों द्वारा विशेष रूप से की गई है, जो इस बार का आकर्षण रहेगा।

कार्यक्रम विवरण

- 17 अक्टूबर : डाडिया नाइट
- 18 अक्टूबर : मंगला आरती
- 19 अक्टूबर : भजन संध्या
- 20 अक्टूबर : गंगा आरती
- प्रतिदिन महाभोग : दोपहर 1:00 बजे से रात्रि तक
- 21 अक्टूबर:दोपहर 2:00 बजे माता की विदाई एवं विसर्जन, सुजाता होते हुए रांची झील की ओर
- व्यवस्था एवं प्रबंध
- 201 पदाधिकारी पूजा व्यवस्था में तैनात रहेंगे।
- संरक्षक :राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा, पूर्व महाधिवक्ता अजीत कुमार, सुरेश प्रसाद साहू, रविन्द्र लाल, संतोष

कुमार सिन्हा, पवन रंजन खत्री, डॉक्टर प्रदीप कुमार सहित 25 संरक्षक - अध्यक्ष: संतोष कुमार सोनी

- कार्यकारी अध्यक्ष : डॉ। प्रेम कुमार। शंभू प्रसाद
- 21 उपाध्यक्ष एवं महासचिव, कोषाध्यक्ष : अनूप वर्मा
- मीडिया प्रभारी : संजय कुमार
- प्रधान महासचिव : पंकज प्रसाद
- सौरभ कुमार वर्मा के नेतृत्व में 101 युवा सचिव सक्रिय सहयोग हेतु नियुक्त समिति द्वारा चुटिया, रांची सहित समस्त झारखंड वासियों से विनम्र निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर माता रानी के दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

देश के नायकों का इतिहास नई पीढ़ी को जानना जरूरी

किसी देश की पहचान केवल उसकी वर्तमान उपलब्धियों से नहीं बनती, बल्कि उन संघर्षों और बलिदानों से भी बनती है, जिन्होंने उसकी सभ्यता, संस्कृति और स्वीर्जिमान को बचाए रखा। भारत का इतिहास ऐसे असंख्य वीरों और वीरांगनाओं की गाथाओं से भरा है, जिन्होंने अलग-अलग कालखंडों में आक्रमणों व चुनौतियों का सामना किया। विडंबना यह है कि इनमें से अनेक नायक अपने ही देश के बड़े हिस्से के लिए आज भी अपरिचित हैं। ऐसे में पाठ्यपुस्तकें इन विस्मृतियों को दूर करने और भारत की साझा ऐतिहासिक स्मृति को मजबूत करने का कारगर माध्यम बन सकती हैं।

एनसीईआरटी की कक्षा नौवीं की सामाजिक विज्ञान की नई पुस्तक में मध्यकालीन भारत के इतिहास को इसी व्यापक दृष्टि से देखने का प्रयास किया है। ‘रिजिस्ट्रेंस एंड रेंजिलिएंस (1000-1700 ईस्वी)’ अध्याय में जाट, राजपूत और सिख समुदायों के प्रतिरोध, सिख गुरुओं की शहादत, महाराणा प्रताप की दिवेर युद्ध में वीरता के साथ रानी नायकी देवी और रानी अबकवा चौटा के शौर्य को भी स्थान दिया गया है। भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विशालता इसकी सबसे बड़ी विशेषताओं में है, लेकिन यही विशालता कई बार इतिहास की जानकारी के क्षेत्रीय बंटवारे का कारण बन जाती है। उत्तर भारत में दक्षिण के नायकों की जानकारी सीमित रह जाती है और दक्षिण भारत में उत्तर के अनेक वीरों की। पश्चिम और पूर्व के बीच भी ऐसी दूरी दिखाई देती है। परिणाम यह होता है कि देश के अनेक महान व्यक्तित्व अपने ही देश के बड़े हिस्से के लिए अपरिचित रह जाते हैं। गुजरात की रानी नायकी देवी और कर्नाटक की रानी अबकवा चौटा का पाठ इसी दृष्टि से खास महत्व रखता है। ये केवल क्षेत्रीय इतिहास की नायिकाएं नहीं हैं, बल्कि भारतीय इतिहास में प्रतिरोध और साहस की व्यापक परंपरा की प्रतिनिधि हैं। इसी तरह महाराणा प्रताप का संघर्ष या सिख गुरुओं की शहादत केवल किसी एक क्षेत्र अथवा समुदाय तक सीमित घटनाएं नहीं हैं। इन्हें भारतीय इतिहास की साझा विरासत के रूप में समझना नई पीढ़ी को देश के विविध अतीत से जोड़ता है। नई पुस्तक में यूरोपीय क्रांति के अध्याय को हटाया गया है और भारतीय इतिहास के प्रतिरोध के इन प्रसंगों को जगह मिली है। पाठ्यक्रम में क्या शामिल हो और क्या नहीं, यह हमेशा गंभीर अकादमिक विमर्श का विषय होना चाहिए।

विश्व इतिहास का अध्ययन भी जरूरी है, क्योंकि उससे विद्यार्थी दुनिया में हुए राजनीतिक, सामाजिक और बौद्धिक बदलावों को समझते हैं। लेकिन इसके साथ यह भी जरूरी है कि भारतीय विद्यार्थी अपने देश के इतिहास और उसकी विविध परंपराओं से पर्याप्त परिचित हों। पाठ्यपुस्तक में हुए ये बदलाव इसी दिशा में एक अवसर हैं। जरूरत इस बात की है कि इतिहास की किताबें नई पीढ़ी को अतीत पर गर्व करना ही नहीं, उससे प्रश्न पूछना, उसे समझना और उससे सीखना भी सिखाएं।

वाह, देश के सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरो

30 सितंबर, 2026 भारतीय खेलों की ऐतिहासिक तारीख के तौर पर याद की जाती रहेगी। क्या स्वर्णिम दिन रहा। एक ही दिन में 4 बहुमूल्य स्वर्ण पदक ..! सिर्फ तीरंदाजी में ही, एक के बाद एक, तीन स्वर्णिम उपलब्धियां और एक स्वर्ण पदक निशानेबाजी के नाम ! वाह, देश के सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरो!! वह के उन पलों में लगता रहा मानो सर्वकालीन, महाश्रेष्ठ धनुर्धर अर्जुन ही अवतरित हो गए हों! यकीनन देश के युवा धनुर्धरों और निशानेबाजों के हुनर अप्रतिम, अद्वितीय, अतुलनीय हैं। उन्होंने जापान के मैदान पर दक्षिण कोरिया और चीन के महारथी, चैंपियन धनुर्धरों को लगातार धूल चटाई और भारत माता के शीश पर स्वर्णिम सेहरा सजाया। कालजयी धनुर्धर अर्जुन के इन वंशजों में महाराष्ट्र के साहिल जाधव, आंध्रप्रदेश के गणेश मणिरत्नम, हरियाणा के कुशल दलाल संपूर्ण और साझा रूप में भारतीय थे। वेशक वे सचिन, विराट, रोहित की तरह लोकप्रिय न हों, लेकिन आज वे भारत के ह्रच्चैपियन अर्जुनहू हैं और 2028 के लॉस एंजलिस के ओलिंपिक का टिकट भी भारत की झोली में संजो चुके हैं। हमारे देश की बेटियों में ज्योति सुरेखा वेनम, चिकिता, प्रितिका प्रदीप ने महिलाओं की कंपाउंड तीरंदाजी की प्रतिस्पर्द्धा में स्वर्णिम सफलता प्राप्त की। निशानेबाजी में मप्र की नीरू ढांडा और तीरंदाजी में महाराष्ट्र के साहिल और तेलंगाना में किसान की बेटी चिकिता की जोड़ी ने दो-दो स्वर्ण पदक जीते। दो बार पोंडियम पर चढ़ने का गौरव प्राप्त किया। दो बार तिरंगे को ऊपर की ओर जाते, फहराते देखा और कई बार राष्ट्रगान ह्रज्जन गण मन.. की धुन सुनी। यकीनन ये नए भारत के, नए नुहमरद, नए अंतरराष्ट्रीय चैंपियन और युवा चेहरे हैं, जिनके निशाने लगातार, सटीक 10 पर जाकर घ्वनित होते रहे। दरअसल ये नौजवान खिलाड़ी ही देश के सकरात्मक, रचनात्मक और विजेता जेन-जी हैं। देश के मान-सम्मान हैं, देश के सच्चे प्रतिनिधि हैं, वाकई भारतीय हैं। यकीनन ये ही भारत का भविष्य हैं। किसी के किसान पिता ने औने-पौने दाम पर जमीन बेची, किसी की मां ने गहने बेचे, किसी के घरवालों ने कर्ज लिया, नीरू और चिकिता के घर में तो टीवी भी नहीं है। नीरू की मां ने राशनवाले की दुकान पर टीवी पर तस्वीर देखी कि बेटी स्वर्ण पदक धारण कर रही है, तो भावुक होना स्वाभाविक था। चिकिता के भाई ने पिता को खुशखबरी दी कि बहन ने दो स्वर्ण पदक जीत लिए हैं। ये परिजन आसमान में, हवाओं में उड़ना महसूस कर रहे होंगे! मिश्रित निशानेबाजी (ट्रैप) में नीरू के साथी कायनन चेनाई ने तो पिता की 30 साल पुरानी बैरल बंदूक से निशाने साधे और स्वर्ण पदक जीत कर भारत को गर्व, गौरव, श्रेष्ठता के एहसास कराए। कायनन के पिता भी नेशनल चैंपियन थे। ज्योति ने तो मात्र 4 साल की उम्र में तीन बार कुष्णा नदी को पार कर लिया था, नतीजतन उन्हें लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स का सम्मान मिला। इस लडकी धनुर्धर ने 2022-23 के एशियाई खेलों में, अकेले ही, तीन स्वर्ण पदक जीत कर दुनिया को भींचक्क कर दिया था। वैसे तो आज क्रिकेट की टीम इंडिया का भी ऐतिहासिक उल्लेख किया जाना चाहिए। उसने पहली बार हिमालय से भी ऊंचे 406 की चोच करते हुए अविस्मरणीय जीत हासिल की है। कप्तान शुभमन गिल दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं, लेकिन नाबाद 223 रनों की पारी, सिर्फ 133 गेंदों में, खेल कर वह प्रथम भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं। दुनिया में उनका स्थान दूसरा है। यकीनन टीम इंडिया ने अप्रत्याशित, अभूतपूर्व, अकल्पनीय क्रिकेट खेली है। बहरहाल आज की तारीख हम एशियाई खेलों के खिलाड़ियों को ही समर्पित करना चाहते हैं, लिहाजा यह भी गौरतलब है कि महिला हॉकी टीम 1982 के बाद, 44 लंबे सालों के संघर्षों के बाद, सबसे अधिक बार एशिया चैंपियन रही दक्षिण कोरिया की टीम को हरा कर फाइनल में पहुंची है। स्वर्णिम रौशनीयं उन खिलाड़ियों को भी दिख रही होंगे! कुछ और खिलाड़ी भी फाइनल में पहुंचे हैं। अब भारत 10 स्वर्ण समेत कुल 60 पदक जीत कर 8वें स्थान तक छलांग लगा चुका है। अब आप मैच देखिए और पदकों की गिनती करते रहिए। आशा है कि भारत कुछ और पदक जीत कर अपने प्रदर्शन में सुधार करेगा। फिलहाल, जय हो।

गांधी की हत्या के बाद जब प्रतिशोध की आग भड़की

30 जनवरी की शाम पांच बजे के कुछ समय बाद नई दिल्ली के बिड़ला भवन में प्रार्थना सभा के लिए जाते समय गांधी की हत्या कर दी गई। देश अभी विभाजन और सांप्रदायिक हिंसा के गहरे घावों से उबर ही रहा था। ऐसे वातावरण में गांधी की हत्या ने शोक के साथ जबरदस्त आक्रोश भी पैदा किया।

जयसिंह रावत

महात्मा गांधी की 30 जनवरी 1948 को हुई हत्या के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है—हत्या, हत्यारे, षड्यंत्र, मुकदमा और उसके राजनीतिक प्रभावों पर भी। लेकिन इस राष्ट्रीय त्रासदी का एक पहलू अपेक्षाकृत कम चर्चा में आता है। गांधी की हत्या की खबर फैलने के बाद देश के कुछ हिस्सों में ऐसा जनाक्रोश भड़का कि हिंदू महासभा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े लोगों, उनके घरों, दुकानों और कार्यालयों को निशाना बनाया जाने लगा। अहिंसा के सबसे बड़े प्रवक्ता की हत्या के बाद प्रतिशोध की हिंसा का यह विरोधाभास इतना गंभीर था कि तत्कालीन उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को हत्या के दूसरे ही दिन सार्वजनिक अपील करनी पड़ी, क्रोध और बदले की भावना में कानून हाथ में न लें। इस घटनाक्रम की पुष्टि किसी बाद की राजनीतिक व्याख्या से नहीं, बल्कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय, प्रेस सूचना ब्यूरो और भारत के असाधारण राजपत्र के 1 और 2 फरवरी 1948 के मूल सरकारी दस्तावेजों से होती है। ये दस्तावेज उस समय के हैं जब गांधी की चिता की राख भी ठंडी नहीं हुई थी और सरकार एक साथ हत्या की जांच, संभावित षड्यंत्र की तह तक पहुंचने और देश में भड़कते प्रतिशोध को रोकने में जुटी थी।

30 जनवरी की शाम पांच बजे के कुछ समय बाद नई दिल्ली के बिड़ला भवन में प्रार्थना सभा के लिए जाते समय गांधी की हत्या कर दी गई। देश अभी विभाजन और सांप्रदायिक हिंसा के गहरे घावों से उबर ही रहा था। ऐसे वातावरण में गांधी की हत्या ने शोक के साथ

महात्मा गांधी जयंती विशेष

जबरदस्त आक्रोश भी पैदा किया।

इसकी गंभीरता का सबसे प्रामाणिक संकेत 1 फरवरी 1948 को प्रेस सूचना ब्यूरो द्वारा जारी सरदार पटेल की अपील से मिलता है। इस दस्तावेज में पटेल ने कहा कि उन्हें यह जानकर बहुत दुख हुआ है कि विशेष रूप से बंबई प्रांत और कोल्हापुर रियासत में कुछ लोगों ने हिंदू महासभा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्यों तथा उनके कार्यालयों के विरुद्ध हिंसक कार्रवाइयां की हैं। दिल्ली में भी कुछ छोटी घटनाओं की सूचना मिली थी।

यह उल्लेख इसलिए महत्वपूर्ण है कि वह गांधी हत्या के तुरंत बाद सरकार के सर्वोच्च स्तर से आया था। बाद के अभिलेख भी बताते हैं कि प्रतिक्रिया का दायरा इससे बड़ा था। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 5 फरवरी 1948 को प्रांतों के प्रधानमंत्रियों को भेजे पत्र में लिखा कि हिंदू महासभा के ज्ञात समर्थकों पर हमले हुए, उनके मकान और दुकानें जलाई गईं तथा महासभा कार्यालयों को भी निशाना बनाया गया। ऐतिहासिक शोध में कानपुर में संघ कार्यालयों पर भीड़ के हमले और बंबई में विनायक दामोदर सावरकर के घर पर भीड़ के हमले का भी उल्लेख मिलता है।

इन घटनाओं की देशव्यापी संख्या इन उपलब्ध सरकारी दस्तावेजों में नहीं दी गई है, इसलिए इनके आधार पर कोई निश्चित कुल आंकड़ा देना उचित नहीं होगा। लेकिन इतना निर्विवाद है कि स्थिति इतनी गंभीर थी कि केंद्र सरकार को तत्काल सार्वजनिक हस्तक्षेप करना पड़ा। पटेल का संदेश- अपराधी को सरकार दंड देगी, भीड़ नहीं: पटेल की अपील का सबसे उल्लेखनीय पहलू यह

ह ऐसी प्रगति किस काम की, जो इंसान को मशीन का गुलाम बना

आप में से अधिकांश लोग मुझसे राजनीति, स्वराज्य या सरकार के कानूनों पर सुनने की उम्मीद कर रहे होंगे। लेकिन, मैं आज आपसे राजनीति की बात करने नहीं आया हूँ। मैं आपसे उस खतरे की बात करने आया हूँ, जो राजनीति से कहीं अधिक गहरा और आत्मघाती है। वह खतरा है-हमारी अपनी चेतना पर पश्चिम की उस आधुनिक भौतिक सभ्यता का अंधा प्रभुत्व, जिसने इंसान को केवल एक उपभोग करने वाली इकाई बनाकर रख दिया है।

निर्मल कांत

म जिसे प्रगति कहते हैं, वह क्या है? हमने दूरी को कम करने के लिए तीव्र गति वाले साधन बना लिए हैं, हमने उत्पादन को कई गुना बढ़ाने के लिए विशालकाय कारखाने खड़े कर लिए हैं, और हमने रात को दिन में बदलने के लिए कृत्रिम रोशनी पैदा कर ली है। लेकिन, क्या इन साधनों ने हमारे मनों को शांत किया है? क्या इनसे मनुष्य के भीतर का लोभ, भय और अकेलापन कम हुआ है? सच्चाई यह है कि आधुनिक सभ्यता ने मनुष्य की आवश्यकताओं को असीमित रूप से बढ़ा दिया है, और इन्हीं असीमित इच्छाओं की पूर्ति के लिए सारा संसार एक अंतहीन होड़ और संघर्ष के दलदल में धकेला जा रहा है। मनुष्य मशीन को इसलिए बनाता है,

ताकि वह उसका दास बनकर काम करे, लेकिन त्रासदी यह है कि आज मनुष्य स्वयं मशीन का दास बन चुका है। वह अपनी ही गढ़ी हुई व्यवस्था का पुर्जा बनकर रह गया है। जब मनुष्य का सारा समय केवल शारीरिक सुखों और भौतिक संचय की चिंता में बीतने लगे, तो उसकी आत्मा के पास सोचने, अनुभव करने और ईश्वर या सत्य से जुड़ने का कोई अवकाश ही नहीं बचता। आप विश्वविद्यालयों में डिग्रियां ले रहे हैं, विज्ञान और अर्थशास्त्र की पुस्तकें रट रहे हैं; लेकिन यदि यह शिक्षा आपको श्रमजीवी वर्ग से काटती है, और यदि वही शिक्षा आपके भीतर अपने हाथ से पसीना बहाने वाले के प्रति तिरस्कार भरती है, तो यह शिक्षा ज्ञान नहीं, बल्कि अहंकार का साधन है।

सच्चा बौद्धिक विकास वह है, जो आपको संवेदनशीलता को गहरा करे, न कि वह, जो आपको केवल एक आरामदायक, आत्म-केंद्रित जीवन की तलाश में अंधा बना दे। यदि भारत अपनी आत्मा को खोकर केवल लंदन या न्यूयॉर्क की एक भद्दी नकल बन जाता है, तो उस भारत के आजाद होने का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। स्वराज्य का अर्थ केवल शासन में गोरे चेहरे की जगह काले चेहरे का आ जाना नहीं है। स्वराज्य का अर्थ है-अपने मन पर अपना राज्य। जब तक हम इस निरंतर भागती, शोरगुल से भरी और लोभ से संचालित सभ्यता की अंधी दौड़ से स्वयं को अलग नहीं करते, तब तक हम चाहे कितने भी कानून बना लें, हम भीतर से गुलाम ही रहेंगे।

अपना सर्वोत्तम दो

सर्वोत्तम प्रदर्शन,अच्छे से अच्छा करने का चाहे कोई भी आया। यही वह दृष्टिकोण है जिसके द्वारा हमें हर कार्य करना चाहिए। यह दृष्टिकोण इस अनुभव पर आधारित है कि हम सभी के अंदर बादशाह (प्रभु) है। हर कोई महत्वपूर्ण है। हम सभी के अंदर आत्मा है और हम सभी परमात्मा के अंश हैं। जब हम इस दृष्टिकोण से कार्य करते हैं कि हर इंसान हमसे हमारा सर्वोत्तम पाने का अधिकारी है तो हम हर एक में मौजूद प्रभु का आदर करते हैं। कुछ लोग सिर्फ चुनिंदा इंसानों को खुश करने के लिए मेहनत करते हैं। वे अपने बाँस को अमीरों को या जिनसे उन्हें कुछ उपकार मिल सकता है

उनको अपना सर्वोत्तम दे सकते हैं। पर वे लोग महान हैं जो गरीबों के लिए या जिनके पास देने के लिए कुछ नहीं है। उनके लिए सर्वोत्तम करते हैं। वे लोग महान हैं जो सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करते हैं। एक और संदेश है कि जब हम कुछ करते हैं। और हमें लगता है कि उससे चंद लोग ही फायदा उठा रहे हैं या गिने- चुने लोग ही उसकी तारीफ कर रहे हैं तो हम निराश न हों। यह कहा गया है कि अगर हम किसी एक की जिंदगी में भी बदलाव ला सकते हैं तो हमारी जिंदगी जीने लायक है। अगर हम कोई कोशिश करते हैं और आशातीत भीड़ इकट्ठी नहीं हो पाती है फिर भी हम दूसरों की मदद तो करते हैं, चाहे एक- दो लोग ही आएँ। हम कभी यह न सोचें कि जो कुछ करने की हमने योजना बनाई थी वह

इसलिए करने लायक नहीं है क्योंकि कुछ लोग ही पहुंचेंगे। हम उन लोगों की जिंदगियों में एक बदलाव ला रहे हैं। अगर हम मेहनत करते हैं और चंद लोग ही हमारे कार्यों से लाभ उठाते हैंहैड्ड तो यह उन लोगों के लिए मह'वपूर्ण है। हमें निराश होकर अपनी कोशिशों को छोड़ना नहीं चाहिए। संगीतज्ञों ने चंद लोगों के आगे कलाझ्रप्रदर्शन किया पर उनमें से एक बादशाह निकला। जो कुछ भी हम करते हैंहैड्ड उसे प्रभु देखता है। हम हमेशा अपना सर्वोत्तम करें। इनम सेवा करने में है, सेवा के फल में नहीं है। अगर हम इस प्रकार से जिएँ,तो हम हर रात सोते समय संतुष्ट रहेंगे कि हमने अपना सर्वस्व दिया है। हमें अंतर में उस आनंद और प्रसन्नता का वरदान मिलेगा जो सबको अपना सर्वोत्तम देने से मिलता है।

आपके पत्र

भारत के समक्ष नई चुनौती

आज सोशल मीडिया हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, व्हाट्सऐप और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोग कुछ ही सेकंड में देश-दुनिया की जानकारी प्राप्त कर लेते हैं। सोशल मीडिया ने सूचना के आदान-प्रदान को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ कुछ गंभीर चुनौतियां भी सामने आई हैं। अब सूचना का इस्तेमाल केवल लोगों को जानकारी देने के लिए नहीं, बल्कि उनकी सोच और भावनाओं को प्रभावित करने के लिए भी किया जा सकता है। इसी कारण सूचना युद्ध आज राष्ट्रीय सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण विषय बन गया है।

सूचना युद्ध का अर्थ है ऐसी सूचनाओं का इस्तेमाल करना, जिनके माध्यम से लोगों की सोच, भावनाओं, विश्वास और निर्णयों को प्रभावित किया जा सके। इसमें झूठी खबर, आधी-अधूरी जानकारी आदि शामिल हैं।

बीआर वर्मा,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्ताधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, संपादक : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवारों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज़ IN ब्रीफ

राष्ट्रीय राजमार्ग पर अनधिकृत रूप से खड़े भारी वाहनों के विरुद्ध सघन जांच अभियान



साहिबगंज : सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से जिला परिवहन पदाधिकारी श्री अमर जॉन आइन्द के नेतृत्व में साहिबगंज जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग के विभिन्न स्थानों पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया।जांच अभियान के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे अनधिकृत रूप से खड़े भारी वाहनों, नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा करने तथा वाहनों के फिटनेस, बीमा, ओवरलोडिंग सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। इस दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों का पूर्णतः पालन करने तथा राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे अनधिकृत रूप से वाहन पार्क नहीं करने का सख्त निर्देश दिया गया। साथ ही स्पष्ट किया गया कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहन चालक एवं वाहन मालिक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।जिला परिवहन पदाधिकारी ने वाहन चालकों व वाहन मालिकों से अपील की कि वे सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यातायात नियमों का पालन करें तथा सड़क किनारे भारी वाहनों की अनधिकृत पार्किंग से बचें। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए इस प्रकार के सघन एवं औचक वाहन जांच अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।जांच अभियान में मोटरयान निरीक्षक श्री कुमार उत्कर्ष एवं श्री अभिषेक मुण्डा सहित सड़क सुरक्षा टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

अस्पताल परिसर में चला विशेष स्वच्छता अभियान



साहिबगंज : स्वच्छता ही सेवा 2026 के अंतर्गत स्वच्छता श्रमदान राष्ट्रीय अभियान एक दिन, एक घंटा, एक साथ अभियान के तहत पेयजल व स्वच्छता विभाग के नेतृत्व में नगर परिषद एवं नमामि गये के संयुक्त सहयोग से अस्पताल परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य अस्पताल परिसर एवं आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने के साथ-साथ स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना रहा।अभियान के दौरान अस्पताल परिसर में व्यापक साफ-सफाई की गई। परिसर में जमा कचरे एवं अनावश्यक सामग्री को हटाया गया तथा स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही परिसर में पौधरोपण किया गया। पौधरोपण के माध्यम से स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण और हरित परिसर के महत्व का संदेश दिया गया। लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल के प्रति भी जागरूकता का संदेश दिया गया।अभियान के क्रम में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, नगर परिषद एवं नमामि गये के पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने सामूहिक रूप से स्वच्छता शपथ ली। शपथ के माध्यम से स्वच्छता को व्यक्तिगत एवं सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने, सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने, कचरे का उचित निस्तारण करने तथा आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया गया।इस अवसर पर स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे नियमित व्यवहार और सामुदायिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने पर बल दिया गया। तीनों विभागों की संयुक्त भागीदारी से आयोजित इस अभियान के माध्यम से स्वच्छ परिसर, हरित वातावरण और स्वच्छ समाज का संदेश दिया गया। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत ऐसे सामूहिक प्रयासों से सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ लोगों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करने का प्रयास किया गया।

एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता को लेकर साहिबगंज कॉलेज से निकली रैली



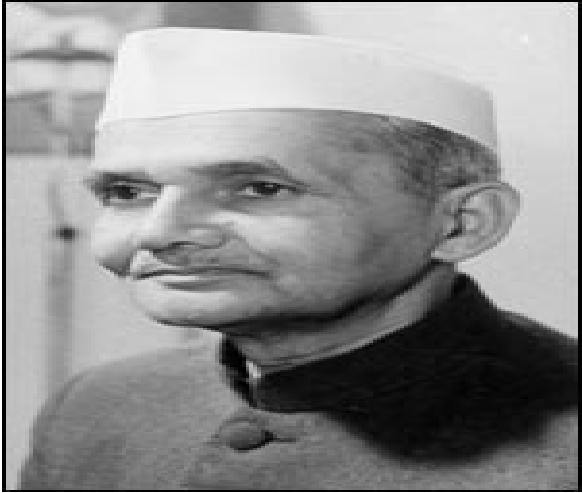
साहिबगंज : एचआईवी,एड्स के प्रति आमजनों एवं युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गुरुवार को साहिबगंज कॉलेज परिसर से जागरूकता रैली निकाली गई।रैली को सिविल सर्जन डॉ.रामदेव पासवान,जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉं किरण माला,नोडल ऑफिस एड्स,एचआईटी सेंटर के प्रतिनिधि एवं साहिबगंज कॉलेज के प्राचार्य डॉ.रंजीत कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।रैली कॉलेज परिसर से प्रारंभ होकर पटेल चौक तक पहुंची। रैली के माध्यम से लोगों को एचआईवी,एड्स से बचाव,रोकथाम, समय पर एचआईवी स्क्रीनिंग एवं उपचार के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के प्रति भेदभाव समाप्त करने और उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार करने का संदेश दिया गया।रैली में साहिबगंज कॉलेज के एनएसएस, एनसीसी एवं स्वयंसेवकों के साथ स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों और संबंधित पदाधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।सिविल सर्जन डॉ.रामदेव पासवान ने कहा कि एचआईवी,एड्स से बचाव के लिए जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण है। लोगों को समय पर जांच करने,सही जानकारी अपनाने और भ्रांतियों से दूर रहने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए,बल्कि उसे आवश्यक उपचार और सामाजिक सहयोग मिलना चाहिए।उन्होंने युवाओं से एचआईवी,एड्स के प्रति स्वयं जागरूक होने के साथ दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने एचआईवी,एड्स के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने और समाज में भेदभाव के विरुद्ध सकारात्मक संदेश प्रसारित करने का संकल्प लिया।

लाल बहादुर शास्त्री विहल ऊर्जा के साथ स्वतंत्रता के संघर्ष में शामिल हुए थे

अमित राज सिंह

श्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी से सात मील दूर एक छोटे से रेलवे टाउन, मुगलसराय में हुआ था। उनके पिता एक स्कूल शिक्षक थे। जब लाल बहादुर शास्त्री केवल डेढ़ वर्ष के थे तभी उनके पिता का देहांत हो गया था। उनकी माँ अपने तीनों बच्चों के साथ अपने पिता के घर जाकर बस गईं।इस छोटे-से शहर में लाल बहादुर की स्कूली शिक्षा कुछ खास नहीं रही लेकिन गरीबी की मार पड़ने के बावजूद उनका बचपन पर्याप्त रूप से खुशहाल बीता।उन्हें वाराणसी में चाचा के साथ रहने के लिए भेज दिया गया था ताकि वे उच्च विद्यालय की शिक्षा प्राप्त कर सकें। घर पर सब उन्हें नन्हे के नाम से पुकारते थे। वे कई मील की दूरी नौ पांव से ही तय कर विद्यालय जाते थे, यहाँ तक की भीषण गर्मी में जब सड़कें अत्यधिक गर्म हुआ करती थीं तब भी उन्हें ऐसे ही जाना पड़ता था।बड़े होने के साथ-ही लाल बहादुर शास्त्री विदेशी दासता से आजादी के लिए देश के संघर्ष में अधिक रुचि रखने लगे। वे भारत में ब्रिटिश शासन का समर्थन कर रहे भारतीय राजाओं की महात्मा गांधी द्वारा की गई निंदा से अत्यंत

प्रभावित हुए। लाल बहादुर शास्त्री जब केवल ग्यारह वर्ष के थे तब से ही उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर कुछ करने का मन बना लिया था।गांधी जी ने असहयोग आंदोलन में शामिल होने के लिए अपने देशवासियों से आह्वान किया था। इस समय लाल बहादुर शास्त्री केवल सोलह वर्ष के थे। उन्होंने महात्मा गांधी के इस आह्वान पर अपनी पढ़ाई छोड़ देने का निर्णय कर लिया था। उनके इस निर्णय ने उनकी माँ की उम्मीदें तोड़ दीं। उनके परिवार ने उनके इस निर्णय को गलत बताते हुए उन्हें रोकने की बहुत कोशिश की लेकिन वे इसमें असफल रहे। लाल बहादुर ने अपना मन बना लिया था। उनके सभी करीबी लोगों को यह पता था कि एक बार मन बना लेने के बाद वे अपना निर्णय कभी नहीं बदलेंगे। क्योंकि बाहर से विमन्र दिखने वाले लाल बहादुर अन्दर से चट्टान की तरह दृढ़ हैं।लाल बहादुर शास्त्री ब्रिटिश शासन की अवज्ञा में स्थापित किये गए कई राष्ट्रीय संस्थानों में से एक वाराणसी के काशी विद्या पीठ में शामिल हुए। यहाँ वे महान विद्वानों एवं देश के राष्ट्रवादियों के प्रभाव में आए। विद्या पीठ द्वारा उन्हें प्रदत्त स्नातक की डिग्री का नाम ह्यशास्त्रीह्म था लेकिन लोगों के दिमाग में यह



उनके नाम के एक भाग के रूप में बस गया।1927 में उनकी शादी हो गई। उनकी पत्नी ललिता देवी मिजापूर से थीं जो उनके अपने शहर के पास ही थी। उनकी शादी सभी तरह से पारंपरिक थी। देहेज के नाम पर एक चरखा एवं हाथ से बुने हुए कुछ मीटर कपड़े थे। वे देहेज के रूप में इससे ज्यादा कुछ और नहीं चाहते थे।1930 में महात्मा गांधी ने नमक कानून को तोड़ते हुए दांडी यात्रा की। इस प्रतीकात्मक सन्देश ने पूरे देश में एक तरह की क्रांति ला दी। लाल बहादुर शास्त्री विहल ऊर्जा के साथ स्वतंत्रता के इस संघर्ष में शामिल हो गए। उन्होंने कई

विद्रोही अभियानों का नेतृत्व किया एवं कुल सात वर्षों तक ब्रिटिश जेलों में रहे। आजादी के इस संघर्ष ने उन्हें पूर्णतः परिपक्व बना दिया।आजादी के बाद जब कांग्रेस सत्ता में आई, उससे पहले ही राष्ट्रीय संग्राम के नेता विनीत एवं नम्र लाल बहादुर शास्त्री के महत्व को समझ चुके थे। 1946 में जब कांग्रेस सरकार का गठन हुआ तो इस ह्यछोटे से डायनमोह्म को देश के शासन में रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए कहा गया। उन्हें अपने गृह राज्य उत्तर प्रदेश का संसदीय सचिव नियुक्त किया गया और जल्द ही वे गृह मंत्री के पद पर भी आसीन हुए। कड़ी मेहनत

करने की उनकी क्षमता एवं उनकी दक्षता उत्तर प्रदेश में एक लोककि बन गई। वे 1951 में नई दिल्ली आ गए एवं केंद्रीय मंत्रिमंडल के कई विभागों का प्रभार संभाला झ रेल मंत्री; परिवहन एवं संचार मंत्री; वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री; गृह मंत्री एवं नेहरू जी की बीमारी के दौरान बिना विभाग के मंत्री रहे। उनकी प्रतिष्ठा लगातार बढ़ रही थी। एक रेल दुर्घटना, जिसमें कई लोग मारे गए थे, के लिए स्वयं को जिम्मेदार मानते हुए उन्होंने रेल मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। देश एवं संसद ने उनके इस अभूतपूर्व पहल को काफी सराहा। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने इस घटना पर संसद में बोलते हुए लाल बहादुर शास्त्री की ईमानदारी एवं उच्च आदर्शों की काफी तारीफ की। उन्होंने कहा कि उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री का इस्तीफा इसलिए नहीं स्वीकार किया है कि जो कुछ हुआ वे इसके लिए जिम्मेदार हैं बल्कि इसलिए स्वीकार किया है क्योंकि इससे संवैधानिक मर्यादा में एक मिसाल कायम होगी। रेल दुर्घटना पर लंबी बहस का जवाब देते हुए लाल बहादुर शास्त्री ने कहा; ह्मशावद मेरे लंबाई में छोटे होने एवं नम्र होने के कारण लोगों को लगता है कि मैं बहुत दृढ़ नहीं हो पा रहा

हूँ। यद्यपि शारीरिक रूप से मैं मैं मजबूत नहीं है लेकिन मुझे लगता है कि मैं आंतरिक रूप से इतना कमजोर भी नहीं हूँ।अपने मंत्रालय के कामकाज के दौरान भी वे कांग्रेस पार्टी से संबंधित मामलों को देखते रहे एवं उसमें अपना भरपूर योगदान दिया। 1952, 1957 एवं 1962 के आम चुनावों में पार्टी की निर्णायक एवं जबरदस्त सफलता में उनकी सांगठनिक प्रतिभा एवं चीजों को नजदीक से परखने की उनकी अद्भुत क्षमता का बड़ा योगदान था।तीस से अधिक वर्षों तक अपनी समर्पित सेवा के दौरान लाल बहादुर शास्त्री अपनी उदात्त निष्ठा एवं क्षमता के लिए लोगों के बीच प्रसिद्ध हो गए। विमन्र, दृढ़, सहिष्णु एवं जबरदस्त आंतरिक शक्ति वाले शास्त्री जी लोगों के बीच ऐसे व्यक्ति बनकर उभरे जिन्होंने लोगों की भावनाओं को समझा, वे दूरदर्शी थे जो देश को प्रगति के मार्ग पर लेकर आये। लाल बहादुर शास्त्री महात्मा गांधी के राजनीतिक शिक्षाओं से अत्यंत प्रभावित थे। अपने गुरु महात्मा गांधी के ही लहजे में एक बार उन्होंने कहा था 'मेहनत प्रार्थना करने के समान है।ह्म महात्मा गांधी के समान विचार रखने वाले लाल बहादुर शास्त्री भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठ पहचान हैं।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन



संवाददाता

साहिबगंज : अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान,जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉं किरण माला, मनोचिकित्सक डॉं आशीं खाम्र, चिकित्सा पदाधिकारी डॉं अमित कुमार,डॉं मोहन मुर्मु,जिला कार्यक्रम समन्वयक संदीप कुमार,सूर्या सुरप्रस्थिति हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉं विजय कुमार, समाजसेवी सुरेश निर्मल ने संयुक्त रूप से दीप

प्रज्वलित कर किया।इस दौरान चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने वृद्धाश्रम में रहे रहे बुजुर्गों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया।सिविल सर्जन डॉ.रामदेव पासवान ने कहा कि बुजुर्ग हमारे समाज की महत्वपूर्ण धरोहर हैं। बढ़ती उम्र में नियमित स्वास्थ्य जांच बेहद जरूरी है,ताकि बीमारियों की समय पर पहचान कर उचित उपचार किया जा सके।उन्होंने बुजुर्गों को संतुलित आहार लेने,नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा चिकित्सकों की सलाह के अनुसार दवाओं का समय पर सेवन करने की अपील

की।कार्यक्रम में डॉ.आशीं खानम ने कहा कि उम्र बढ़ने के साथ बुजुर्गों की स्वास्थ्य संबंधी कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।इसलिए समय-समय पर स्वास्थ्य जांच आवश्यक है।उन्होंने कहा कि बुजुर्गों को दवा के साथ उचित खान-पान,आराम और नियमित स्वास्थ्य देखभाल पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। शिविर में बुजुर्गों की सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ उनकी विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जानकारी ली गई।स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उनसे बातचीत कर परेशानियों को जाना और आवश्यकतानुसार उपचार एवं स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी।अधिकारियों ने बताया कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य वृद्धजनों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के साथ उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।मौके पर स्वास्थ्य विभाग के एनसीडी कर्मी पंकज पीटर सोरेन, राजीव कुमार पां,पीपूष कुमार एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मौ मौजूद थे।

आज से तीन दिवसीय जीवितपुत्रिका व्रत शुरू पहले दिन आज नहाय खाय

साहिबगंज : संतान के दीधार्यु

अच्छे स्वास्थ्य सुख समृद्धि और परिवार के मंगलकामना को लेकर आज से तीन दिवसीय जीवितपुत्रिका व्रत शुरू पहले दिन आज नहाय खाय है। जिसको लेकर स्थानीय गंगा तट पर माताओं की भीड़ उमड़ी है। वहीं सब्जी मंडी व मछली बाजार में भी काफी चहल पहल है। झिंगली 40-50 रुपया पौवा ओर सतपुतिया झिंगली 70 से 100 रुपया पौवा तक बिका। वहीं रेहू कतला मिरका मछली 220-300 रुपए किलो, झींगा मछली 100- 150 रुपया पौवा ओर छोटका मछली 100 रुपया पौवा बिका। आज माताएं नहाकर पूजन करके परिवार के साथ खाएगी।कल माताएं पूरे दिन निर्जला उपवास करेगी और संध्या में पूजन करेगी रविवार को सुबह पूजन करके पारण होगा।



झारखंड सशस्त्र पुलिस 9 में विदाई समारोह आयोजित

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड सशस्त्र पुलिस-9,साहिबगंज में गुरुवार को निरीक्षक सशस्त्र महेंद्र राय एवं अवर निरीक्षक सशस्त्र एमाशंकर सिंह के सम्मान में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।समारोह में वरीय पुलिस उपाधीक्षक मनोज झा एवं विनोद रवानी,झारखण्ड पुलिस एसोसिएशन की साहिबगंज शाखा के अध्यक्ष अमलेश कुमार सिंह समेत झारखंड पुलिस एसोसिएशन,झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन,चतुर्थवर्गीय कर्मचारी



संघ के पदाधिकारी,कार्यालय के पदाधिकारी-सदस्य तथा वाहिनी के अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।इस दौरान दोनों अधिकारियों

को सम्मानित कर उनके नई पारी के लिए शुभकामनाएं दी गईं।उपस्थित अधिकारियों व जवानों ने उनके उत्तम

स्वास्थ्य,सुखद भविष्य एवं नई जिम्मेदारी में सफलता की कामना की।वरीय पुलिस उपाधीक्षक मनोज झा ने कहा कि महेंद्र राय एवं रामशंकर सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान कर्तव्यों का जिम्मेदारी और समर्पण के साथ निर्वहन किया।उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा में स्थानांतरण और नई जिम्मेदारी सेवा का हिस्सा है।दोनों अधिकारी जहां भी रहें,अपने अनुभव और कर्तव्यनिष्ठा से किभाग का नाम रोशन करें।उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

एसआईआर को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों बीएलए-1 के साथ बैठक

संवाददाता

साहिबगंज : जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त दीपक कुमार द्वेे की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के संबंध में जिले के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिलाध्यक्ष,सचिव एवं बीएलए1 के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा जारी प्रेस नोट संख्या इसीएल ,पीएन ,120,2026, दिनांक 26.09.2026 के आलोक में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत नोटिस चरण में चल रही दावा एवं आपत्तियों के सत्यापन की प्रक्रिया तथा संशोधित दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई।बताया गया कि 12 अक्टूबर तक नम्बर एमएएपीपी आईएनजी ,जैनओएमएएलआईइएस से संबंधित नोटिस निर्गत किए जा चुके हैं। इसके पश्चात ऐसे मामलों में संबंधित बीएलओ द्वारा ईसीआई नेट बीएलओ ऐप के माध्यम से मतदाता के घर जाकर



आवश्यक दस्तावेज अपलोड किए जाएंगे। दस्तावेजों के आधार पर संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी द्वारा नियमानुसार निर्णय लिया जाएगा।जिला

निर्वाचन पदाधिकारी ने आम नागरिकों से अपील की कि नोटिस प्राप्त होने पर आवश्यक दस्तावेज भारत निर्वाचन निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी द्वारा ६६६.५.इंशेशे२.३.इ.एल.के माध्यम से

उपलब्ध कराएं। ऑनलाइन दस्तावेज जमा करने वाले मतदाताओं को सुनवाई के लिए कार्यालय में उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं होगी।उन्होंने बताया कि दावा एवं आपत्ति आवेदन की अंतिम

थीति 30 सितंबर निर्धारित थी। वहीं 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके ऐसे पात्र नागरिक जिन्होंने अब तक प्रपत्र-06 के माध्यम से मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन नहीं किया है। वे आयोग के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। असाधारण परिस्थितियों में संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी,सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के निर्णय के अनुसार ऑनलाइन सुनवाई की व्यवस्था की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर मतदाता अपने परिवार के किसी वयस्क सदस्य को सुनवाई के लिए अधिकृत कर सकता है। तकनीकी कारणों से ऑनलाइन सुनवाई संभव नहीं होने पर विशेष शिविर के माध्यम से भीैतिक रूप से सुनवाई की जा सकेगी।बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कुमुदिनी टुडू सहित विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।



एशियन गेम्स : लवलीना ने देश को दिलाया 12वां गोल्ड

75 किग्रा फाइनल में चीनी मुक्केबाज को हराया



निशिओ: एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं के 75 किग्रा भारवर्ग के फाइनल में लवलीना बोरगोहेन ने चीनी मुक्केबाज बाओ जियाई को हराकर गोल्ड मेडल जीता है। लवलीना का यह गोल्ड भारत का इस संस्करण में 12वां गोल्ड मेडल है।

लगातार दूसरे एशियन गेम्स फाइनल में पहुंचकर इतिहास रचने वाली लवलीना ने बाओ जियाई को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर गोल्ड जीता। पिछली बार लवलीना गोल्ड मेडल जीतने से चूक गई थीं और उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा था, लेकिन इस बार लवलीना ने धैर्य

और आक्रामकता के साथ चीनी मुक्केबाज को करारी शिकस्त देते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। अपने सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में लवलीना ने धीमी शुरूआत की और गेम में आगे बढ़ीं। सेमीफाइनल में उन्होंने शानदार खेल दिखाया और कजाख बॉक्सर को हराकर फाइनल में पहुंचीं। गोल्ड मेडल का मुकाबला बहुत अलग रहा। आक्रामक बाओ जियाई के खिलाफ लवलीना को क्लिंच में जाना पड़ा, समय का इंतजार करना पड़ा और आगे रहने के लिए टेक्निकल तरीके से जवाब देना पड़ा। आखिर में लवलीना

सुजीत कलकल ने ओलंपिक चैंपियन कोटारो कियूका को हराकर फाइनल में बनाई जगह

नागोया : एशियन चैंपियनशिप के गोल्ड मेडलिस्ट फ्रीस्टाइल पहलवान सुजीत कलकल ने शुक्रवार को जापान के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन कोटारो कियूका को हराकर पुरुषों के 65 किग्रा फाइनल में जगह बनाई। सुजीत का फाइनल में ताजिकिस्तान के अब्दुलमजीद कुडीव से मुकाबला होगा।

सुजीत ने 0-2 से पिछड़ने के बाद रोमांचक सेमीफाइनल में ओलंपिक चैंपियन और घरेलू फेवरेट कोटारो को 3-3 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की।

अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियन सुजीत ने ग्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अफगानिस्तान के सैयद उमर जर्जई पर 13-3 की तकनीकी श्रेष्ठता से जीत के साथ कैपेन की शुरूआत की। जर्जई ने राउंड ऑफ 16 मुकाबले की शुरूआत में सुजीत पर तीन पॉइंट बनाए। सुजीत ने खुद को संभाला और स्टेप-आउट के साथ आगे बढ़े। इसके बाद उन्होंने एक फोर-पॉइंटर, एक गो-बिहाइंड और एक एक्सपोजर स्कोर कर-के 9-3 की बढ़त बना ली, फिर 13-3 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए।

इसके बाद सुजीत ने अब्बास



इब्राहिमजादेह पर 10-0 की जीत के बाद ओलंपिक चैंपियन कोटारो के खिलाफ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। उन्होंने आर्म थ्रो से शुरूआत की और फिर दो बार एक्सपोजर पॉइंट और दो गो-बिहाइंड स्कोर करके जीत पूरी की।

कोटारो के खिलाफ सेमीफाइनल में जापानी पहलवान ने दो तेजी से अंक बनाकर 2-0 की बढ़त बना ली। लेकिन सुजीत ने लगातार दो स्कोरिंग मूव बनाए और 4-2 की बढ़त बनाए रखी। रिव्यू के बाद, सुजीत का टोटल 3 हो गया, लेकिन वह अभी भी आगे थे।

कियूका ने फिर मुकाबला 3-3 से बराबर कर दिया और सुजीत फाइनल में पहुंच गए। उनके पास जापानी पहलवान से अधिक स्कोरिंग मूव था। पुरुषों के 125 किग्रा फ्रीस्टाइल में, रूहाल पहले राउंड में कजाकिस्तान के अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियन येदिगो कासिमबेक से 3-8 से हार गए। महिला कुश्ती में भारत की शुरूआत मुश्किल रही क्योंकि प्रिया मलिक और दीपांशी (50 किग्रा) दोनों अपने शुरूआती मुकाबले हार गईं। प्रिया 76 किग्रा के शुरूआती मुकाबले में किर्गिस्तान की वर्ल्ड

सिल्वर मेडलिस्ट ऐपेरी मेडेट काइजी से हार गई। प्रिया ने दूसरे पीरियड में स्कोर 2-1 कर लिया, लेकिन मेडेट काइजी ने टेकडाउन पर कड़ी मेहनत कर-के 4-1 की बढ़त बना ली। प्रिया ने आखिर में बड़ा थ्रो करने की कोशिश की, लेकिन मेडेट काइजी ऊपर गिर गईं और उन्हें पिन कर दिया गया।

इस बीच, टोक्यो ओलंपिक चैंपियन और घरेलू पसंदीदा जापान की यूई सुसाकी ने अपने चार एशियन टाइटल के साथ पहले एशियन गेम्स गोल्ड के लिए अपने अभियान की शानदार शुरूआत की और भारतीय युवा दीपांशी को 11-0 से हराया।

इसके बाद सुसाकी ने कंबोडिया की समनांग डिट को 10-0 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने में सिर्फ 44 सेकंड लगाए। चार बार की वर्ल्ड चैंपियन ने फिर कजाकिस्तान की जीनेप बयानोवा को हराकर फाइनल में जगह बनाई।

इस बीच, सुसाकी के फाइनल में पहुंचने के साथ दीपांशी को एक नई जान मिली क्योंकि वह रेपेचेज राउंड में पहुंची और ब्रॉज मेडल के लिए लड़ने का मौका मिला।

कुमकुम, अंकिता और कीर्ति की तिकड़ी ने रचा इतिहास, रिकर्व महिला टीम इवेंट में जीता गोल्ड

ओकाजाकी : भारत को एशियन गेम्स 2026 में 11वां गोल्ड मेडल मिल गया है। शुक्रवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत की महिला रिकर्व आर्चरी टीम ने दक्षिण कोरिया को हराकर गोल्ड मेडल



अपने नाम किया। भारतीय टीम की 10 बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया पर यह जीत ऐतिहासिक है। महिला रिकर्व आर्चरी टीम का एशियन गेम्स इतिहास में यह पहला गोल्ड है। भारत की महिला रिकर्व आर्चरी टीम ने ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में खेले गए फाइनल में मुश्किल हालात में मजबूत कोरियाई टीम को 5-3 से हराकर ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता। पहला सेट बराबरी का रहा, क्योंकि दोनों टीमों ने 54-54 का स्कोर करके सेट बराबर कर दिया और हर एक को एक पॉइंट मिला कोरिया ने दूसरे सेट की शुरूआत 10, 9 और 9 के स्कोर के साथ जोरदार तरीके से की। भारत ने 10 के साथ जवाब दिया, जिसके बाद कीर्ति ने 8 का स्कोर किया और उसके बाद अंकिता ने 10 का एक जरूरी शॉट लगाया। इसके बाद कोरिया ने 10 और दो 9 के शॉट लगाए। अंकिता ने एक शॉट ठीक बीच में मारा, लेकिन कीर्ति ने 8 का शॉट लगाया, जिससे 17 साल की कुमकुम पर दबाव पड़ा, जिसने शानदार शॉट लगाया और 10 का स्कोर करके सेट बराबर कर दिया, जिससे स्कोर 2-2 हो गया। तीसरे सेट में, कोरिया ने 8 के साथ शुरूआत की, लेकिन फिर अगले दो शॉट में 10 और 9 के साथ वापसी की। भारत ने 10 के साथ शुरूआत की, उसके बाद 9 के साथ। अपने अगले तीन शॉट में, कोरिया ने तीन बार 8 का स्कोर किया, जिससे भारत को सेट जीतने का एक मजबूत मौका मिला। इसके बाद भारत ने 8 के साथ शुरूआत की, फिर 9 के साथ, और आखिर में, कुमकुम ने 10 का स्कोर करके तीसरा सेट अपने नाम कर लिया, जिससे टीम 4-2 से आगे हो गई। चौथे सेट में, कोरिया ने दो 9 के स्कोर से शुरूआत की, उसके बाद 10 का स्कोर किया। भारत ने 8, 8 और फिर 9 के शॉट लगाए। इसके बाद कोरिया ने 8, 9 और 9 के शॉट लगाए। आखिरी तीन अहम शॉट में, कीर्ति ने 9 का शॉट लगाकर शुरूआत की और अंकिता ने एक और 9 का शॉट लगाया, जिसके बाद कुमकुम ने 10 का स्कोर करके सेट बराबर कर दिया, जिससे 5-3 से जीत पक्की हो गई। भारतीय टीम में शामिल कुमकुम मोहोद, अंकिता भक्त और कीर्ति शर्मा ने धैर्य के साथ साहसिक खेल का प्रदर्शन किया।

एक गोल्ड और एक ब्रॉज मेडल जीता था। लवलीना बोरगोहेन शुक्रवार को अपना 29वां जन्मदिन मना रही हैं। ऐसे में इस गोल्ड मेडल ने उनका

जन्मदिन हमेशा के लिए यादगार बना लिया है। बोरगोहेन ने अपने जन्मदिन पर जो उपहार खुद को दिया है, उसकी तुलना किसी भी अन्य उपहार से नहीं हो सकती।

मैं ना रहा मेरा का नया गाना शायद रिलीज रेखा भारद्वाज की आवाज ने दिया इमोशनल टच

मुंबई : फिल्म मैं ना रहा मेरा के मेकर्स ने इसका नया गाना शायद रिलीज कर दिया है। अध्ययन सुमन और दिविता राय पर फिल्माए गए इस गाने को रेखा भारद्वाज ने अपनी आवाज दी है। रेखा भारद्वाज ने बताया कि इस गाने की सबसे खास बात उन्हें इसकी सादगी लगी।

शायद के बारे में बात करते हुए रेखा भारद्वाज ने कहा, मेरे लिए यह गाना शब्दों के पीछे छिपी भावनाओं को समझने के बारे में है। गाने के बोल में एक खास तरह की संवेदनशीलता है और राहुल नायर को धुन उस भावना को खुलकर सामने आने की जगह देती है। मैं चाहती थीं कि मेरी आवाज ऐसी लगे जैसे कोई व्यक्ति सच में अपने दिल की बात कह रहा हो। मुझे खास तौर पर गाने की सादगी काफी पसंद आई है। इसी



सादगी की वजह से गाना असरदार तरीके से बन पाया है।

उन्होंने कहा, गाना उन भावनाओं को सामने लाता है जिन्हें अक्सर शब्दों में कहना आसान नहीं होता। प्यार के साथ आने वाली अनिश्चितता, किसी के

लिए तड़प और दिल की कमजोरी को गाने में बेहद सहज तरीके से दिखाया गया है। गाना धीरे-धीरे आगे बढ़ता है और इसकी धुन और बोल मिलकर एक ऐसा माहौल बनाते हैं, जो सुनने वाले को किरदारों की भावनाओं के

करीब ले जाता है।

अध्ययन सुमन ने भी शायद गाने को फिल्म के लिए बेहद खास बताया। उन्होंने कहा, यह गाना अनकही भावनाओं को सामने रखता है। राहुल नायर की धुन और देव पांडे के बोल खूबसूरती से साथ आए हैं और रेखा भारद्वाज की आवाज ने गाने में जान डालने का काम किया है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी गाने में दिखाई गई भावनाओं से जुड़ पाएंगे।

मैं ना रहा मेरा, को अमिट कसरिया ने लिखा और डायरेक्ट किया है। फिल्म को धर्मश संगानी ने प्रोड्यूस किया है, जबकि जोहरी टेलर इसके को-प्रोड्यूसर हैं। शायद अब स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्मों में दिखाने के लिए गाने का वीडियो टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है।

निर्माता साजिद नाडियाडवाला की भांजी (बहन की बेटी) आफिया सैयद ने कॉमेडी-ड्रामा-रोमांस फिल्म प्रेम कीटाणु से सिनेमा की दुनिया में कदम रखा है। शुक्रवार को अभिनेत्री रवीना टंडन ने आफिया सैयद के काम की तारीफ की।

कॉमेडी-ड्रामा-रोमांस फिल्म प्रेम कीटाणु की स्क्रीनिंग गुरुवार रात को रखी गई थी, जिसमें मनोरंजन जगत की बड़ी-बड़ी हस्तियों ने शिरकत की थी। अभिनेत्री रवीना टंडन ने आफिया सैयद के साथ इंस्टाग्राम कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने लिखा, आफिया सैयद को बधाई। प्यार, आशीर्वाद और तुम्हारे दिल की हर ख्वाहिश पूरी हो।

अभिनेत्री ने आगे लिखा, मैंने



तुम्हे फिल्म के लिए कड़ी मेहनत और लगन से काम करते देखा है। रास्ते में कई रुकावटें आईं लेकिन तुमने कभी अपना फोकस नहीं खोया। तुम अकेले मजबूती से खड़ी रहीं और जीत की उस एक मंजिल के लिए सब कुछ सहा। अभिनेत्री ने बताया कि आफिया सैयद को बड़े पदों पर

देखकर उन्हें काफी गर्व महसूस हुआ। उन्होंने लिखा, तुम्हें पदों पर पूरे जलवे में देखकर मैं सबसे गंविंत मौसी बन गई हूं। लव यू बेटा और ईश्वर तुम्हें ढेर सारा आशीर्वाद दे। तुम्हारा सिनेमा की दुनिया में स्वागत है, तुम यहां जीतने के लिए आई हो। प्रेमकीतानु नजदीकी थिएटर में चल रही है ाह

रवीना टंडन ने आगे फिल्म के अन्य कलाकारों की भी तारीफ करते हुए लिखा, वीर पहाड़िया तुमने भी अच्छा परफॉर्म किया है। अपारशक्ति खुराना, तुम बेहद शानदार हो। निक्की तुम बहुत क्यूट और फनी हो। गौरव और अपूर्वा को भी बधाई। अपूर्व सिंह काकी द्वारा निर्देशित और गौरव वर्मा द्वारा निर्मित फिल्म कॉलेज के दिनों की मस्ती, दोस्ती, एकतरफा प्यार और दिल टूटने जैसे अनुभवों के इर्द-गिर्द घूमती है। कई जगह दावा किया जा रहा है कि यह चर्चित मलयालम हिट फिल्म प्रेमाल का रीमेक है। फिल्म में वीर पहाड़िया के अलावा अपारशक्ति खुराना, आफिया सैयद, राकेश बेदी और निखिल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

केबीसी में बिग बी ने किया कोलकाता पार्क स्ट्रीट का जिक्र, बोले-

दुनिया में कहीं नहीं देखा था ऐसा नजारा

अभिनेता अमिताभ बच्चन इन दिनों विजय रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति-18 में होस्ट के तौर पर नजर आ रहे हैं। शो के दौरान अभिनेता ने कोलकाता की मशहूर पार्क स्ट्रीट से जुड़ाव के बारे में बताया।

अभिनेता ने कोलकाता के मशहूर रेस्टोरेंट और लाइव-म्यूजिक क्लब को याद किया। साथ ही, उन्होंने बताया कि कैसे पार्क स्ट्रीट शहर की नाइटलाइफ और मनोरंजन का अहम हिस्सा हुआ करती थी।

कंटेस्टेंट शौर्य दास से बात करते हुए अभिनेता ने कहा, उस समय हम सभी के रात का एंटरटेनमेंट यही हुआ करता था। कोलकाता पार्क स्ट्रीट में सभी रे



रेस्टोरेंट लाइन में लगे हुए होते थे। वह बहुत अद्भुत जगह है, विश्व भर में मैंने ऐसी जगह कहीं नहीं देखी थी कि एक ही सड़क पर, 5-6 रेस्टोरेंट एक साथ मिलेंगे

और सब एक से एक अव्वल नंबर पर।

मेगास्टार ने आगे बातचीत में पार्क स्ट्रीट के मशहूर रेस्टोरेंट में परफॉर्म करने वाले संगीतकारों को

भी याद किया, जिनमें उषा उथुप और लुईस बैंक्स जैसे नाम शामिल हैं। उन्होंने कहा, उन रेस्टोरेंट में कई अव्वल गायक गाना गाया करते थे। हम तो उनके सामने कुछ है ही नहीं और उनमें से कई ने तो हिंदी सिनेमा में आकर गायिकी में अपना योगदान भी दिया है, जिनमें उषा उथुप जी और लुईस बैंक्स रहे हैं।

बता दें कि उषा उथुप का पार्क स्ट्रीट से खास जुड़ाव रहा है। उन्होंने 1969 में कोलकाता आने के बाद वहीं स्थित एक रेस्टोरेंट में अपने प्रोफेशनल सिंगिंग करियर की शुरूआत की थी और आगे चलकर शहर के लाइव-म्यूजिक क्लब की सबसे पहचानी जाने वाली आवाजों में से एक बन गईं।

उषा उथुप ने ऐसे समय में साड़ी पहनकर परफॉर्म करने का फैसला किया, जब नाइटक्लब के मंच पर पश्चिमी संगीत का बोलबाला था। वे पारंपरिक भारतीय साड़ी, बिंदी और गजरा पहनकर मंच पर पश्चिमी और जैज संगीत गाती थीं, जो उस दौर में एक नया और अनूठा अनुभव था।

दिल्ली के एक होटल में प्रस्तुति के दौरान देव आनंद और शशि कपूर ने उनकी आवाज को सराहा था। देव आनंद ने उन्हें फिल्म हरे राम हरे कृष्ण (1971) और मंचेंट आइवरी की फिल्म बॉम्बे टॉकीज में गाने का मौका दिया, जिसके बाद वे भारतीय पॉप और पार्श्व गायन की दुनिया में छा गईं।

साईंस-फिक्शन सोशल थ्रिलर फिल्म लंबोधरा 2.0 का डायरेक्शन सिंपल सुनी ने किया है। इस फिल्म में अनिल शेठ्टी, साची बिंद्रा, कुणाल कपूर और मेघना गांवकर जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। बता दें कि यह फिल्म सिल्वर स्क्रीन पर जल्द रिलीज होने के लिए तैयार है। टैलेंटेड कास्ट से सजी इस फिल्म की कहानी खुद में आज की टेक्नोलॉजी और समाज के बीच के दिलचस्प कनेक्शन को लिए हुए है। फिल्म अपनी घोषणा के समय से ही सुर्खियों में बनी हुई है और इस तरह से अपनी अनाखी और नई तरह की कहानी के साथ यह दर्शकों को शानदार सिनेमैटिक एक्सपीरियंस देने का वादा करती है। अब जब, फिल्म के मेकर्स ने शूटिंग के रैप होने की ऑफिशल



अनाउंसमेंट कर दी है, तब इसे लेकर दर्शकों के बीच उत्साह का माहौल और बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। ऐसे में टीम ने अपने इस सफर से जुड़ी यादों और कुछ मैडनेस को साझा करने वाला एक इच्छर शेयर किया है:

बीटीएस लोडिंग, कैमरों ने कुछ वक्त पहले ही रोलिंग रोक दी थी, लेकिन सेट से जुड़ी यादें अभी भी ताजा हैं। कई महीनों की मस्ती, हंसी-मजाक, एक्सपेरिमेंट्स, रीटेक्स और कई यादगार पलों को

मिलाकर लंबोधरा 2.0 की दुनिया तैयार हुई है। कैमरों के पीछे की दुनिया की एक छोटी सी झलक यहां है। जल्द ही थिएटर्स में मिलते हैं!

लंबोधरा 2.0 को जो चीज एक गेम चेंजर बनाती है वो है इसकी शानदार कास्टिंग। इस फिल्म के साथ ट्रेडिशनल विजुअल इफेक्ट्स और प्रोस्थेटिक्स को दरकिनार करते हुए, मेकर्स ने जिया को इंटीड्यूस किया है। जिया एक मचानी रोबोटिक्स द्वारा बेंगलुरु में बनाई गई ह्यूमनॉइड रोबोट है, जो बड़े पदों पर अपना फुल फ्लेड किरदार निभा रही है। इस ऐतिहासिक मुकाम पर रोशनी डालते हुए मेकर्स ने खास नोट में लिखा है: बेंगलुरु की मचानी रोबोटिक्स।



महुआ पर अगले साल तक कोई कार्रवाई नहीं होगी, हेट स्पीच मामले में राहत, पुलिस सुरक्षा भी बरकरार



एजेंसी/कोलकाता: तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को हेट स्पीच मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने महुआ मोइत्रा को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ लॉबित एक मामले में 29 जनवरी, 2027 तक किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई न करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए सुश्री मोइत्रा की अंतरिम सुरक्षा अवधि को आगे बढ़ाते हुए मामले की अगली सुनवाई के लिए 13 जनवरी की तारीख तय की। यह मामला उनके खिलाफ चल रहे कथित नफरत भरे भाषण से जुड़ा हुआ है।

न्यायालय ने सुश्री मोइत्रा की सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर विचार करते हुए अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे के दौरान उन्हें प्रदान की जाने वाली पुलिस सुरक्षा की अवधि को भी 30 नवंबर तक बढ़ा दिया है। कृष्णनगर दौरे के दौरान सांसद मोइत्रा पर अंडे फेंके जाने और काले झंडे दिखाए जाने की घटनाओं को लेकर पुलिस की कथित निष्क्रियता का मुद्दा भी सुनवाई के दौरान उठा। न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने इस पुलिस निष्क्रियता संबंधी याचिका को मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ को स्थानांतरित कर दिया है। न्यायालय ने आदेश दिया है कि जब तक मुख्य न्यायाधीश की अगवाई वाली खंडपीठ इस याचिका का निपटारा नहीं कर देती, तब तक सुश्री मोइत्रा को अपने संसदीय क्षेत्र के दौरो के दौरान पुलिस सुरक्षा मिलती रहेगी।

एलन मस्क संभालेंगे प्यूचर वॉर प्लान, ईरान युद्ध के बीच अमेरिकी सेना में बड़े बदलाव की तैयारी में ट्रंप प्रशासन



एजेंसी/ वाशिंगटन: ईरान से वॉर के बीच अमेरिका अब सिर्फ आज के लिए हथियार तैयार करने पर नहीं, बल्कि आने वाली कई दशकों के युद्ध लिए तैयारी करने पर फोकस कर रहा है। अमरीका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने वार्षिक स्टेट ऑफ द फोर्स संबोधन में अमेरिकी सेना में कुछ बड़े बदलावों की घोषणा की। इनमें एक नया ड्रोन कमांड बनाना और देश के 20 प्रतिशत जनरल और एडमिरल की संख्या कम करना शामिल है। हेगसेथ ने कहा कि पेंटागन युद्ध के भविष्य पर अध्ययन करने के लिए एक पहल भी शुरू करेगा, जिसका नेतृत्व स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क और प्रतिनिधि सभा के पूर्व अध्यक्ष न्यूट गिंगरिच करेंगे। उन्होंने कहा कि रक्षा विभाग धार्मिक मामलों का कार्यालय बनाएगा और 40 वर्षों में पहली बार एक नया सैन्य अड्डा बनाने की योजना बना रहा है। हेगसेथ ने वर्जीनिया में मरीन कोर बेस क्वांटिको में कनिष्ठ अधिकारियों और अधीनस्थ सैन्यकर्मियों के नेतृत्व के समक्ष ये घोषणाएं कीं। यह लगातार दूसरा साल है जब हेगसेथ ने अपने संबोधन में इस तरह की घोषणाएं की हैं।

पेंटागन प्रमुख ने एक बार फिर दोहराया कि उन्होंने अमेरिकी सेना में बड़े बदलाव किए हैं। हेगसेथ ने ड्रोन-केंद्रित वॉरफेयर कमांड की घोषणा की। उन्होंने माना कि युद्ध की गति, उसे समर्थन देने की प्रक्रिया की तुलना में तेजी से बदल रही है। ईरान अकसर सरते ड्रोन का इस्तेमाल करता है; इन्हें में से कुछ ड्रोन ने सात महीने लंबे युद्ध के दौरान अमरीकी सैनिकों की जान ली है। हेगसेथ ने रूसी सेना से लड़ने के लिए यूक्रेन द्वारा ड्रोन के बेहतरीन इस्तेमाल का जिक्र किया और कहा कि यह एक ऐसी चीज है, जिसे अमरीकी सेना ने खुद अनुभव से सीखा है। हालांकि, यूरोप में तैनात और ड्रोन युद्ध कोशल में माहिर अमेरिकी सेना की एक इकाई को हाल में अपने प्रवास रोकने और वापस पारंपरिक पैदल सेना बटालियन के रूप में काम करने का आदेश दिया गया।

वरुण में दिखी भारत-फ्रांस की समुद्री साझेदारी, फ्रांस में नौसेना का त्रिशूल , दोनों देशों ने किए युद्धाभ्यास



नई दिल्ली: भारत और फ्रांस की नौसेनाओं के बीच द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास वरुण एक बार फिर दोनों देशों की मजबूत समुद्री साझेदारी का प्रतीक बना है। भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस त्रिशूल ने फ्रांस के टूलॉन में 24वें वरुण अभ्यास में हिस्सा लिया। अभ्यास में एनएच-90 हेलिकॉप्टरों और अटलांटिक-2 समुद्री गश्ती विमानों ने भी हिस्सा लिया। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि अभ्यास के समुद्री चरण में दोनों देशों की नौसेनाओं ने पनडुब्बी रोधी, सतह युद्ध और वास्तविक फायरिंग जैसे अभ्यास किए। हेलिकॉप्टरों के एक-दूसरे के युद्धपोतों पर उतरने का अभ्यास भी किया गया। इससे दोनों नौसेनाओं के बीच तालमेल और संचालन क्षमता मजबूत हुई। आईएनएस त्रिशूल 22 सितंबर को टूलॉन पहुंचा था।

फ्रांसीसी नौसेना ने उसका वाटर केनन की सलामी के साथ स्वागत किया। बंदरगाह चरण में दोनों नौसेनाओं के बीच पेशेवर, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियां हुईं। अधिकारियों ने परिचालन अनुभव साझा किए और एक-दूसरे के युद्धपोतों का दौरा किया। त्रिशूल के कमांडिंग ऑफिसर, अधिकारियों और चालक दल ने मार्सेई के मजार्ग युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। यहां विश्व युद्धों में शहीद हुए 205 भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई। चालक दल ने फ्रांसीसी युद्धपोत चाल्स' द गॉल, फोरबिन और ला फाएत का दौरा कर विमानवाहक पोत संचालन और विमानन सुविधाओं की जानकारी ली। इस युद्धाभ्यास से भारत और फ्रांस के बीच समुद्री सहयोग, संचालन में तालमेल और पेशेवर आदान-प्रदान को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

देश-विदेश

एसआईआर में कट गया नाम तो ना हों परेशान, चुनाव आयोग शुरू करेगा अभियान, बीएलओ घर पहुंचकर भरवाएंगे फॉर्म

नई दिल्ली: विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पूरी कर चुके 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची से छूटे पात्र नागरिकों और पहली बार मतदान करने जा रहे युवाओं को जोड़ने के लिए चुनाव आयोग विशेष अभियान चलाएगा। आयोग ने इस संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।

हाल में इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूचियों से करीब 13 करोड़ नाम हटाए गए थे। हालांकि, चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह संख्या मसौदा सूचियों से हटाए गए नामों की है। इसका यह अर्थ नहीं है कि हटाए गए सभी लोग पात्र मतदाता थे और उन्हें गलती से सूची से बाहर किया गया।

आयोग का लक्ष्य कोई पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रह जाए, यह सुनिश्चित करना है। आयोग के 1 अक्टूबर 2026 के निर्देश के अनुसार, एसआईआर के दौरान छूटे पात्र मतदाताओं और नए पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करने की प्रक्रिया को आसान बनाया जाएगा। अभियान

सिर्फ 14% लोग ही यूपीआई पर चार्ज देने को तैयार, सर्वे में चौकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली: डिजिटल इंडिया के दौर में सब्जी के ठेले से लेकर बड़े शॉपिंग मॉल तक स्मार्टफोन से यूपीआई स्कैन करना आम भारतीय की दिनचर्या बन चुका है। पर्स में नकद पैसे रखने की आदत लगभग छूट चुकी है, लेकिन अब बड़े डिजिटल लेन-देन को लेकर बड़ा बदलाव होने जा रहा है। 15 अक्टूबर 2026 से 2,000 से अधिक के पी2एम (पर्सन टू मर्चेंट) यूपीआई भुगतानों पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू होने की तैयारी है। इस फैसले ने आम उपभोक्ताओं और व्यापारियों दोनों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। हाल ही में हुए एक बड़े देशव्यापी सर्वे में यह चौकाने वाला खुलासा हुआ है कि यदि ग्राहकों की जेब से एक भी अतिरिक्त पैसा कटा, तो वे यूपीआई का इस्तेमाल छोड़कर पुराने विकल्पों की तरफ लौट



के तहत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) मौजूदा मतदाता सूची का प्री-रक्तम मतदाता सूची से मिलान करेंगे। जिन लोगों के नाम पुरानी सूची में थे, लेकिन नई सूची में शामिल नहीं हो सके, उनकी अलग सूची तैयार की जाएगी। इसके बाद बीएलओ ऐसे मतदाताओं के घर-घर जाकर उनकी मौजूदा स्थिति की पुष्टि करेंगे। यदि कोई व्यक्ति मतदाता के तौर पर पात्र पाया जाता है, तो मौके पर ही फॉर्म-6

भरवाकर उसका नाम मतदाता सूची में शामिल कराने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। घर-घर सत्यापन के दौरान नए और पहली बार मतदान करने के योग्य युवाओं की भी पहचान की जाएगी। पात्र पाए जाने पर उनका भी फॉर्म-6 भरवाया जाएगा। आयोग ने इस अभियान को करीब एक महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा है। प्रत्येक बीएलओ को सप्ताह में कम से कम 20 से 25 मतदाताओं को

कवर करने का निर्देश दिया गया है। बीएलओ अपनी सूची में प्रत्येक मतदाता की मौजूदा स्थिति दर्ज करेंगे और यह भी दर्ज करेंगे कि किन लोगों से फॉर्म-6 भरवाया गया है। तैयार सूची को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के साथ भी साझा किया जाएगा। बीएलओ द्वारा भरे गए फॉर्म-6 और फील्ड वेरिफिकेशन रिपोर्ट निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) को सौंपी जाएंगी।

हिंदुस्तानी ने 9/11 होने से बचा लिया, पीएम ने की भारतीय पायलट की बहादुरी की तारीफ, बताया देश का गौरव

नई दिल्ली: पूरी दुनिया इस समय भारतीय पायलट स्मित मच्छर को सलाम कर रही है। उन्होंने ऐसी बहादुरी दिखाई है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप हों या फिर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, सभी उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। स्मित मच्छर ने अपनी जान की परवाह किए बिना 180 लोगों को मौत के मुंह से वापस लाया। अगर वह अपनी जान की बाजी नहीं लगाते तो आज पूरी दुनिया एक भयानक हादसे को देख और सुन रही होती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर की बहादुरी की तारीफ की। प्रधानमंत्री मोदी ने पायलट कैप्टन स्मित मच्छर के धैर्य, साहस और सूझ-बूझ की सराहना करते हुए उन्हें हौरो बताया। उन्होंने कहा कि कैप्टन की सूझबूझ और हिम्मत से 9/11 जैसी बड़ी घटना होने से टल गई। उन्होंने कहा कि उनका पराक्रम हर देशवासी को गौरव से भर देता है।

श्री मोदी ने उनका अभिनंदन करते हुए लोगों से कैप्टन स्मित के उत्तम स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करने का आह्वान किया। श्री मोदी ने फ्लाईडुबई की उड़ान में घटी घटना का जिक्र करते हुए कहा कि आज इजरायल के प्रधानमंत्री ने कहा कि इस हिंदुस्तानी ने 9/11 होने से बचा लिया। हर

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रेस्क्यू अभियान तेज, 10 अतिरिक्त नाव तैनात



छपरा : सारण जिले में बाढ़ की आपात स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य लगातार युद्धस्तर पर संचालित किया जा रहा है। उउअअअ की नावों के अतिरिक्त रअअअअ की 10 अतिरिक्त नावों को भी रेस्क्यू अभियान के लिए तैयार किया गया है। इन नावों के माध्यम से विभिन्न पंचायतों में बाढ़ के पानी में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने की कार्रवाई की जा रही है। उउअअअएवं रअअअअ की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार रेस्क्यू कार्य के लिए तत्पर हैं। स्थानीय लोगों को आश्चस्त किया गया है कि विभिन्न पंचायतों में पानी में फंसे लोगों को प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षित बाहर निकालने के लिए प्रशासन द्वारा हरसंभव व्यवस्था की गई है। प्रभावित आबादी को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के साथ-साथ आवश्यक राहत एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की कार्रवाई भी लगातार जारी है। जिला प्रशासन द्वारा तत्परता पूर्वक प्रत्येक स्तर पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिला पदाधिकारी द्वारा छपरा स्थित खेल भवन का निरीक्षण किया गया, जहां सूखा राशन के पैकेट तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने मौके पर पहुंचकर पैकेटिंग एवं राहत सामग्री की तैयारियों का निरीक्षण किया तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक एवं समुचित दिशा-निर्देश दिए। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि बाढ़ की वर्तमान आपात स्थिति में प्रशासन एवं रेस्क्यू टीमों का सहयोग करें। लोग अनावश्यक रूप से बाढ़ के पानी में प्रवेश न करें और ऐसी किसी गतिविधि से बचें, जिससे जान-माल की क्षति अथवा दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न हो। पानी में फंसे लोगों के संबंध में सूचना तत्काल स्थानीय प्रशासन को दें, ताकि रेस्क्यू टीम द्वारा उन्हें सुरक्षित निकाला जा सके।

पानापुर में डूबने से मृत दो युवकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि : पानापुर प्रखंड में बाढ़ के पानी में डूबने से दो व्यक्तियों की मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई है। मृतकों की पहचान अनिल कुमार, पिताझसुरेंद्र कुमार राय, ग्रामझरचकिया, उम्र 19 वर्ष तथा सत्यम कुमार, पिताझमजय कुमार सिंह, ग्रामझफजुली, उम्र 16 वर्ष के रूप में हुई है।

आपदा प्रबंधन के प्रावधानों के तहत दोनों मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि का चेक प्रदान किया गया। माननीय सांसद महाराजगंज श्री जनार्दन सिंह सिप्रियावाल, माननीय विधायक तरैया श्री जनक सिंह, जिला पदाधिकारी सारण एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण की उपस्थिति में मृतकों के परिजनों को अनुग्रह राशि का चेक सौंपा गया।

जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रेस्क्यू, राहत, भोजन, पेयजल, चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। प्रभावित लोगों की सुरक्षा एवं सहायता के लिए प्रशासन की सभी संबंधित टीमें एवं संसाधन लगातार सक्रिय हैं।

युवा क्रांति प्रशिक्षण शिविर में युवा कार्यकर्ताओं को मिला प्रमाण पत्र



साहिबगंज : झारखंड युवा कांग्रेस की ओर से आयोजित तीन दिवसीय ह्रद्युवा क्रांति बुनियादी प्रशिक्षण शिविरह्क का सफलतापूर्वक समापन हुआ।शिविर के अंतिम सत्र में भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा विशेष रूप से उपस्थिति रहे।इस दौरान प्रशिक्षण प्राप्त युवा कार्यकर्ताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।कार्यक्रम में युवा कांग्रेस के राजमहल विधानसभा अध्यक्ष कौसर आलम भी मुख्य रूप से मौजूद रहे।शिविर में संगठन को मजबूत करने,कांग्रेस की विचारधारा,लोकतांत्रिक मूल्यों और जनहित के मुद्दों पर युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया।साथ ही पंजा विजनपट्टाई,अवसर,न्याय, जवाबदेही और आजादी को जन-जन तक पहुंचाने लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए युवाओं की भूमिका पर चर्चा की गई।राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा ने युवा कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर सक्रिय होकर जनता से जुड़ने और संगठन को मजबूत बनाने का मार्गदर्शन दिया।प्रशिक्षण के बाद प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले कार्यकर्ताओं ने इसे अपने लिए गौरव का क्षत्र बनाते हुए कहा कि शिविर से मिले अनुभव से आगामी सामाजिक एवं राजनीतिक गतिविधियों में उसकी भूमिका और अधिक प्रभावी होगी।युवा कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह प्रमाण पत्र केवल प्रशिक्षण पूर्ण होने का दस्तावेज नहीं,बल्कि जनता की आवाज को मजबूती से उठाने और संगठन के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाने के संकल्प का प्रतीक है।

बाबूलाल मरांडी का भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

साहिबगंज/बहरवा : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी के पतना प्रखंड क्षेत्र के शमापुरं चेक पहुंचने पर गुरुवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा प्रखंड अध्यक्ष कुणाल किशोर मंडल ने किया।इस दौरान भाजपा प्रखंड प्रभारी उषा भारती, जिला अध्यक्ष गौतम यादव, जिला संगठन मंत्री अमृत पांडे सहित भाजपा प्रखंड कमेटे के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रखंड महामंत्री रोहित रजक, कोषाध्यक्ष भोला साह, विष्णु शाह, दिलीप ठाकुर, रागिनी देवी, दिलीप रावनी, जितेंद्र तुरी समेत विभिन्न शक्ति केंद्रों के संयोजक, सह-संयोजक एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।कार्यकर्ताओं ने बाबूलाल मरांडी का स्वागत करते हुए उनका अभिनंदन किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल रहा।

झारखंड भवन में रेजिडेंट कमिश्नर अरवा राजकमल और गृह मंत्रालय के मुख्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार चतुर्वेदी के बीच बैठक

संवाददाता

नई दिल्ली/रांची : झारखंड सरकार के रेजिडेंट कमिश्नर अरवा राजकमल ने झारखंड भवन, नई दिल्ली में गृह मंत्रालय (एमएचए) के मुख्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार चतुर्वेदी के साथ बैठक की। झारखंड मूल के श्री चतुर्वेदी वर्तमान में गृह मंत्रालय में मुख्य सुरक्षा अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। बैठक में राज्य सरकार के अधिकृत अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सरकारी वाहनों के लिए प्रवेश पास और वाहन पास जारी करने तथा उनके नवीनीकरण तथा आवश्यकता के अनुसार पास की संख्या में वृद्धि से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुरूप पास संबंधी प्रक्रियाओं को सुगम बनाने के साथ-साथ दिल्ली में पदस्थापित झारखंड सरकार के

अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सुविधाओं, कल्याण और कार्य-संबंधी आवश्यकताओं से जुड़े मामलों में समन्वय एवं यथासंभव समाधान सुनिश्चित करने पर विचार-विमर्श हुआ। अरवा राजकमल, रेजिडेंट कमिश्नर झारखंड ने कहा कि-ह्हारज्य सरकार के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अधिकृत वाहनों के लिए प्रवेश पास और वाहन पास जारी करने तथा उनके नवीनीकरण की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए संबंधित विभागों के साथ प्रभावी समन्वय आवश्यक है। हमारा प्रयास है कि निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए राज्य सरकार के आधिकारिक कार्यों के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

बैठक में झारखंड भवन,नई दिल्ली में विभिन्न केंद्रीय एवं



राज्य सरकार के कार्यालयों में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा नई दिल्ली में

इग्नू जुलाई 2026 सत्र में नव नामांकन की अंतिम तिथि 13 अक्टूबर तक विस्तारित

दिसंबर 2026 टीइड के परीक्षा फॉर्म के लिए भी निर्धारित समय-सीमा में आवेदन करने की अपील

संवाददाता

साहिबगंज : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के अवसरों का लाभ उठाने के लिए जुलाई 2026 सत्र में नव नामांकन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 13 अक्टूबर 2026 कर दी है।हालांकि, विश्वविद्यालय द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यह तिथि-विस्तार सर्टिफिकेट कार्यक्रमों पर लागू नहीं होगा।इग्नू क्षेत्रीय केंद्र,देवघर के निदेशानुसार इग्नू अध्ययन केंद्र 3605,साहिबगंज महाविद्यालय* के समन्वयक डॉ.ध्रुव ज्योति कुमार सिंह ने बताया कि निर्धारित तिथि तक इच्छुक विद्यार्थी इग्नू के प्रवेश

पोर्टल इग्नूएडमिशन समर्थ एडू इन के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।इग्नू द्वारा विद्यार्थियों की सुविधा के लिए विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर डिप्लोमा व अन्य कार्यक्रमों में नामांकन का अवसर उपलब्ध कराया गया है।डॉ।सिंह ने बताया कि इग्नू का उद्देश्य दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा के माध्यम से ऐसे विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ना है,जो किसी कारणवश नियमित शिक्षण संस्थानों में अध्ययन नहीं कर पा रहे हैं।विद्यार्थी अपनी सुविधा के अनुसार अध्ययन करते हुए निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपनी उच्च शिक्षा जारी रख सकते हैं।दिसंबर 2026 ळए के परीक्षा फॉर्म की तिथि भी निर्धारित समन्वयक ने बताया कि दिसंबर 2026 सत्रांत परीक्षा के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया भी जारी है।विद्यार्थी 07 अक्टूबर 2026 तक बिना विलंब शुल्क के परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं।इसके पश्चात 08 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2026 तक र1,100 विलंब शुल्क के साथ परीक्षा फॉर्म

भरने की सुविधा उपलब्ध रहेगी।उन्होंने विद्यार्थियों से विशेष रूप से अपील की कि वे नामांकन एवं परीक्षा फॉर्म भरने के लिए अंतिम तिथि का इंतजार न करें बल्कि समय रहते ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी कर लें। अंतिम समय में वेबसाइट पर अधिक ट्रैफिक,तकनीकी समस्या अथवा अन्य कारणों से होने वाली संभावित असुविधा से बचने के लिए विद्यार्थियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन करने की सलाह दी गई है।डॉ.ध्रुव ज्योति कुमार सिंह ने कहा कि इग्नू अध्ययन केंद्र-3605 विद्यार्थियों को नामांकन,परीक्षा फॉर्म,अध्ययन एवं अन्य शैक्षणिक प्रक्रियाओं से संबंधित आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं एवं दिशा-निर्देशों का पालन करने और किसी भी प्रक्रिया को लेकर भ्रम की स्थिति में अध्ययन केंद्र से आवश्यक जानकारी प्राप्त करने की अपील की।

दुर्गा पूजा महासमिति की कमेटी का विस्तार, नई जिम्मेदारियां तय

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : दुर्गाोत्सव की तैयारियों को लेकर श्री केंद्रीय दुर्गा पूजा महासमिति, पलामू की ओर से बुधवार को दुर्गा मंडप में संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया गया। केंद्रीय अध्यक्ष दुर्गा जौहरी की मौजूदगी में महासमिति की विस्तारित कमेटी की घोषणा की गई। इस दौरान दुर्गाोत्सव को लेकर महासमिति की तैयारियों और प्रशासन के साथ समन्वय की जानकारी भी दी गई।

कमेटी में आलोक कुमार चौरसिया,सतबौर सिंह राजा, मनोज कुमार सिंह,अनिल कुमार सिंह,सोनु सिंह नामधारी,बसंत जौहरी,संजिव प्रसाद गुप्ता,बबलू गुप्ता, अविनाश देव,मनोज सिंह, शशि वंश तिवारी,कल्याण वर्मा, अनिल साहू,अजय तिवारी एवं राजन सिन्हा को संरक्षक बनाया गया।ललन कुमार सिन्हा को महामंत्री तथा सतीश सिंह,लवली गुप्ता, लीलावती देवी,मंजू गुप्ता, मीना गुप्ता,किरण अग्रवाल एवं उषा माखड़िया को उपाध्यक्ष बनाया गया।

इसके अलावा प्रेमशंकर गुप्ता,जितेन्द्र सोनी,संदीप



तिवारी,उदय शुक्ला,अजीत सिन्हा,प्रभात गुप्ता,प्रदीप नारायण,सुमित्रो भट्टाचार्य, बृजेश शुक्ला,सतीश जौरिहार,मनोहर वाली,पप्पू पाण्डेय,श्याम जी चौधरी, राजेन्द्र राम,प्रमोद गुप्ता, सुनील सिंह,सतीश तिवारी, रुपा सिंह,लवली गुप्ता, लीलावती देवी,मंजू गुप्ता, मीना गुप्ता,किरण अग्रवाल एवं उषा माखड़िया को उपाध्यक्ष बनाया गया।

इसके अलावा प्रेमशंकर गुप्ता,जितेन्द्र सोनी,संदीप

दास,चंद्रकांत सिंह,विनित पाण्डेय,मंटू गुप्ता,शुभम कुमार,पप्पू गुप्ता,विवेक चौबे, अभिषेक सिंह,बिल्लू तिवारी, प्रिय रंजन पाठक,रजत सिंह, राजमणि प्रजापति,सुनील ठाकुर,रंजीत चंद्रवंशी,विशाल कुमार,आकाश कुमार,पूजा चंद्रवंशी,प्रतिमा गुप्ता,ज्योति अग्रवाल,शोभा देवी,इंदू अग्रवाल,नेहा अग्रवाल, विकास सिंह एवं रंजिकांत पाण्डेय समेत अन्य को मंत्री बनाया गया।

मिश्रा,गुड्डू वर्मन, मनीष वर्मन एवं राहुल कुमार

सोनी को सोशल मीडिया प्रभारी बनाया गया। संवाददाता सम्मेलन में सोनु नामधारी,नवीन तिवारी,ललन सिन्हा,बीएम पाण्डेय, सतीश पाण्डेय,संजय राज सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। महासमिति के पदाधिकारियों ने कहा कि दुर्गाोत्सव के दौरान सरकार द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन किया जाएगा। पूजा समितियों के साथ समन्वय बनाकर शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित दुर्गाोत्सव का आयोजन सुनिश्चित किया जाएगा।

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : स्वच्छता ही सेवा- 2026 के तहत शुक्रवार को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता का संदेश देने के उद्देश्य से स्वच्छता मैराथन का आयोजन किया गया। प्रातः 6:30 बजे समाहरणालय परिसर से जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन दौड़ का शुभारंभ किया। उपायुक्त श्री शेखावत स्वयं भी दौड़ में शामिल हुए और मैराथन पूरी कर सिंगरा स्थित अमानत नदी तट पहुंचे।

मैराथन में शामिल पदाधिकारी, युवा, खिलाड़ी, विभिन्न संस्थाओं के वॉलंटियर्स एवं अन्य प्रतिभागी समाहरणालय परिसर से दौड़ते हुए छहमुहान, साहित्य समाज, पुलिस लाइन एवं बिस्फुटा चौक होते हुए सिंगरा स्थित अमानत नदी तट पहुंचे। नदी तट पहुंचने के बाद उपायुक्त ने दौड़ में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इसके पश्चात

अमानत नदी तट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नदी किनारे बिखरे प्लास्टिक, टूटी बोतल एवं अन्य कचरे को एकत्रित किया और उसे कचरा उठाव करने वाले वाहन में डाला।इसके बाद नदी तट पर पौधारोपण किया गया। पौधारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंत में उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों, युवाओं एवं मैराथन में शामिल प्रतिभागियों को स्वच्छता के प्रति शपथ दिलाई।

स्वच्छता प्रबंधन में जनभागीदारी जरूरी :उपायुक्त इस अवसर पर डीसी श्री शेखावत ने कहा कि स्वच्छता मैराथन का उद्देश्य यह तय करना नहीं है कि कौन प्रथम आया और कौन द्वितीय, बल्कि इसके माध्यम से साफ-सफाई के प्रति मजबूत संदेश देना है। उन्होंने कहा कि जिस तरह हम अपने

निवासरत झारखंडवासियों से निरंतर संवाद बनाए रखते हुए उनकी आवश्यकताओं एवं समस्याओं के समाधान हेतु संबंधित विभागों एवं पदाधिकारियों से आवश्यक संपर्क एवं सामंजस्य बनाए जाने की बिंदु पर चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त, केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों तथा झारखंड सरकार के बीच आवश्यक अंतर-मंत्रालयी समन्वय को सुगम बनाने पर भी चर्चा हुई, ताकि राज्य से संबंधित आधिकारिक कार्यों का समयबद्ध एवं प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके।

झारखंड सरकार केंद्र और राज्य के बीच प्रभावी प्रशासनिक समन्वय को बढ़ावा देने तथा दिल्ली में पदस्थापित राज्य सरकार के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से जुड़े कार्यों को सुगम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अमानत नदी तट पर चलाया स्वच्छता अभियान और किया पौधारोपण

घरों को साफ रखते हैं, उसी तरह नदी, नालों और सड़कों को भी स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता प्रबंधन केवल जिला प्रशासन या सरकार के भरोसे संभव नहीं है। इसमें आम लोगों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी समझेंगा, तभी स्वच्छ एवं सुंदर समाज का निर्माण संभव होगा।उन्होंने युवाओं एवं जिलेवासियों से स्वच्छता अभियान से निरंतर जुड़ने तथा अपने आसपास के क्षेत्र को साफ रखने की अपील की।

कार्यक्रम में प्रशिक्षु आईएएस ऋतिक मेहता, जिला कल्याण पदाधिकारी प्यारे लाल, सदर एसडीएम संजय पांडे,एनडीसी नरिज कुमार,पैयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रतिनिधि, सहित विभिन्न संस्थाओं से जुड़े वॉलंटियर्स, खेल संघ से जुड़े युवा एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

हुसैनाबाद थाना से हथकड़ी-रस्सी समेत आरोपी फरार

हुसैनाबाद : हुसैनाबाद थाना परिसर से गुरुवार सुबह करीब 8:10 बजे गिरफ्तार आरोपी रीतेश कुमार (19 वर्ष) हथकड़ी और रस्सी समेत फरार हो गया। पुलिस के अनुसार पेट में दर्द की शिकायत पर उसे हाजत से बाहर निकाला जा रहा था। इसी दौरान उसने सुरक्षा में तैनात चौकीदार को धक्का देकर भाग निकला। मामले में बीएनएस की धारा 262 और 132 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। और क्षेत्रों में लगातार छापेमारी जारी है।

हुसैनाबाद में निःशुल्क आरोग्य शिविर और श्रीराम कथा का शुभारंभ



को यहां निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

1 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2026 तक चलने वाले इस शिविर में लकवा, शुगर,

बीपी, कमर दर्द, घुटना दर्द, गठिया,

निःसंतानता सहित विभिन्न रोगों से पीड़ित लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर का समय प्रातः 9 बजे से

शाम 5 बजे तक निर्धारित है। शिविर के पहले ही दिन बड़ी संख्या में लोगों ने

स्वास्थ्य लाभ लिया। दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ बिहार से पहुंचे मरीजों

की उपस्थिति ने शिविर के प्रति लोगों की रुचि को दर्शाया। आरोग्य शिविर के साथ प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक भव्य श्रीराम कथा का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। यह आयोजन पूर्व मंत्री श्री कमलेश कुमार सिंह के सौजन्य से कराया जा रहा है। युवा नेता सूर्या सिंह के आयोजन में काली कंबल वाले बाबा की उपस्थिति में आयोजित यह शिविर जरूरतमंद लोगों तक निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने के साथ-साथ श्रीराम कथा के माध्यम से आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर को सेवा, जनकल्याण और समाज के जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने के संकल्प से जोड़ते हुए आयोजित यह कार्यक्रम हुसैनाबाद क्षेत्र में सेवा और सामाजिक सरोकार की भावना को मजबूत करने का संदेश दे रहा है।

